PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

दैनिक

भीम प्रज्ञा

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'रिश्तों की असली पहचान सुख में साथ चलने से नहीं, बल्कि कठिन समय में बिना स्वार्थ साथ खड़े रहने से होती है। '

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-165 | झुंझुनू (राजस्थान) | शनिवार, 9 मई, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

'रिश्तों का बदलता रंग और समय की कसौटी पर इंसानियत '

जीवन को यदि किसी एक रूपक में समझना हो, तो वह एक बहती हुई नदी की तरह है। नदी कभी शांत बहती है, कभी प्रचंड वेग से उफनती है। उसके किनारे बदलते रहते हैं, रास्ते बदलते रहते हैं, लेकिन उसका प्रवाह कभी नहीं रुकता। ठीक इसी प्रकार जीवन भी निरंतर आगे बढ़ता रहता है। समय किसी के लिए नहीं रुकता। हम अक्सर कहते हैं कि 'हम समय काट रहे हैं ', जबकि सच्चाई यह है कि समय ही धीरे-धीरे हमें काटता, परखता और बदलता जाता है। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

मनुष्य का जीवन समय और रिश्तों के बीच चलने वाली एक ऐसी यात्रा है, जिसमें हर मोड़ पर नए अनुभव मिलते हैं। जब कोई अपना साथ होता है, तो घंटों का समय कुछ मिनटों जैसा लगता है। किसी प्रिय व्यक्ति के साथ बैठकर की गई छोटी-सी बातचीत भी मन को वर्षों तक सुकून देती है। वहीं दूसरी ओर, जब जीवन में अकेलापन आता है, तो कुछ पल भी भारी लगने लगते हैं। यही समय की सबसे बड़ी विशेषता है–वह परिस्थितियों और भावनाओं के अनुसार अपना स्वरूप बदल लेता है। लेकिन वर्तमान समय की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि रिश्तों की गहराई कम होती जा रही है और स्वार्थ की परतें मोटी होती जा रही हैं। आज अधिकांश संबंध 'मतलब' की जमीन पर खड़े दिखाई देते हैं। जब तक किसी से लाभ मिलता है, तब तक संबंध निभाए जाते हैं; जैसे ही स्वार्थ समाप्त होता है, लोग रंग बदल लेते हैं। लेखक की यह बात बिल्कुल सटीक है कि 'साथ रहने के लिए स्वार्थ छोड़ना बड़प्पन है, लेकिन अपने स्वार्थ के लिए किसी का साथ छोड़ देना इंसानियत की सबसे बड़ी हार है। '

दरअसल, सच्चे रिश्ते त्याग, विश्वास और संवेदनाओं से बनते हैं। जहाँ केवल लाभ और उपयोगिता हो, वहाँ रिश्ता नहीं बल्कि एक सौदा होता है। आज लोग दूसरों के दर्द को समझने से अधिक, उनके उपयोग को समझने लगे हैं। यही कारण है कि रिश्तों में वह आत्मीयता और अपनापन कम होता जा रहा है, जो कभी संयुक्त परिवारों और पुराने सामाजिक ताने-बाने की पहचान हुआ करता था। आज सोशल मीडिया के दौर में हजारों 'फ्रेंड्स' और 'फॉलोअर्स' होने के बावजूद इंसान भीतर से अकेला होता जा रहा है। लोग अपने जीवन की चमक-दमक दिखाने में इतने व्यस्त हैं कि वास्तविक संबंधों की गर्माहट खोती जा रही है। विडंबना यह है कि हम अनजान लोगों को खुश करने में अपनी ऊर्जा लगा देते हैं, जबकि जो वास्तव में हमारे अपने होते हैं, उन्हें समय तक नहीं दे पाते। यह भी सच है कि अपेक्षाएं केवल अपनों से ही होती हैं। अजनबी से इंसान को कोई शिकायत नहीं होती, लेकिन जब अपना ही बदल जाए, तो दर्द गहरा होता है। समय बदलने के साथ कई लोग गिरगिट की तरह रंग बदल लेते हैं। वे परिस्थितियों के अनुसार रिश्तों का अर्थ तय करते हैं। लेकिन यह समझना जरूरी है कि हर बदलने वाला व्यक्ति बुरा नहीं होता। कई बार परिस्थितियाँ भी इंसान को बदल देती हैं। इसलिए जीवन में सबसे जरूरी चीज है–स्वीकार करना सीखना।

मानसिक शांति का पहला कदम यही है कि हम यह स्वीकार करें कि दुनिया का हर रिश्ता स्थायी नहीं होता। कुछ लोग जीवन में केवल सबक देने आते हैं और कुछ लोग जीवनभर साथ निभाने। इसलिए हर बिछड़ने वाले के पीछे रोते रहना बुद्धिमानी नहीं, बल्कि स्वयं को कमजोर बनाना है। हमें अपनी ऊर्जा और प्रेम उन लोगों पर निवेश करना चाहिए, जो हमारी खामोशी को भी समझ सकें। जो केवल हमारे शब्द नहीं, बल्कि हमारी भावनाओं को भी महसूस कर सकें। रिश्ते वहाँ जीवित रहते हैं, जहाँ संवाद, संवेदना और सम्मान बचा रहता है। जहाँ केवल अपेक्षाएं हों और समझ खत्म हो जाए, वहाँ संबंध धीरे-धीरे बोझ बन जाते हैं। समय का सबसे बड़ा सत्य यह है कि वह हर चीज को बदल देता है–लोगों को, परिस्थितियों को, सोच को और रिश्तों को भी। लेकिन समय एक और चीज छोड़ जाता है–यादें। इंसान की असली दौलत वही यादें होती हैं, जो वह दूसरों के दिलों में छोड़ जाता है। धन, पद और प्रतिष्ठा एक दिन समाप्त हो सकती है, लेकिन किसी के साथ किया गया सच्चा व्यवहार वर्षों तक याद रखा जाता है।

आज जरूरत इस बात की है कि हम रिश्तों को दिखावे से नहीं, बल्कि दिल से निभाना सीखें। अपनों को समय दें, उनकी भावनाओं को समझें और निस्वार्थ भाव से साथ निभाएं। क्योंकि अंततः जीवन की सबसे बड़ी सफलता वही है, जहाँ इंसान के पास ऐसे लोग हों जो उसके सुख-दुख में बिना किसी स्वार्थ के साथ खड़े रहें। 'वक्त गुजर जाएगा, लोग बदल जाएंगे, लेकिन इंसानियत और सच्चे रिश्तों की खुशबू कभी पुरानी नहीं होती। ' इसलिए दुनिया को खुश करने से पहले अपनी आत्मा को संतुष्ट करना सीखिए, क्योंकि वही शांति जीवन का सबसे बड़ा सुख है।

शिक्षा मंत्री की संस्था में करोड़ों का घपला: डोटासरा

हिंदुस्तान स्काउट गाइड राजस्थान में हेरफेर का दावा, दिलावर की मिलीभगत का आरोप

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने शिक्षा मंत्री मदन दिलावर की अध्यक्षता वाली संस्था हिंदुस्तान स्काउट गाइड राजस्थान में हुए भ्रष्टाचार को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं। डोटासरा ने कहा कि हिंदुस्तान स्काउट गाइड राजस्थान जिसके अध्यक्ष खुद शिक्षा मंत्री मदन दिलावर हैं, संस्था में करोड़ों रुपए का भारी भ्रष्टाचार हुआ है। दस्तावेजों के साथ गंभीर आरोप लगे हैं, शिकायतें सामने हैं, फिर भाजपा सरकार जांच और कार्रवाई क्यों नहीं कर रही है? क्या शिक्षा मंत्री मदन दिलावर अपने संरक्षण में हुए इस पूरे घोटाले पर जवाब देंगे? क्योंकि जिस संस्था के वो स्वयं अध्यक्ष हैं, उसमें करोड़ों का घोटाला हुआ। क्या उनकी जानकारी और मिलीभगत के बिना ये संभव है?

डोटासरा ने कहा- हिंदुस्तान स्काउट गाइड राजस्थान संस्था में करोड़ों रुपए के गबन, फर्जी बिल-वाउचर, फर्जी हस्ताक्षर से निजी खातों में पैसे ट्रांसफर, भर्ती में पद देने और अवैध वसूली के सबूत हैं। संस्था के जिला ऑर्गेनाइजर अजय कुमावत ने पूरे भ्रष्टाचार और गबन को सबूतों के साथ सरकार से शिकायत की है। डोटासरा जयपुर कांग्रेस वार रूम में मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

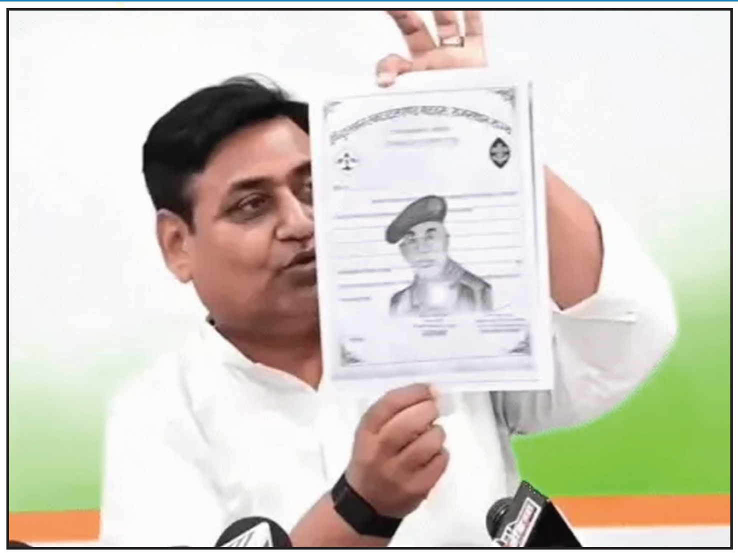

13 हजार छात्रों से फीस लेकर 39 लाख रुपए निजी खातों में किए ट्रांसफर

पीसीसी चीफ डोटासरा ने कहा- डीएलएड के छात्रों को स्काउट का प्रशिक्षण अनिवार्य है। करीब 13 हजार छात्रों से 300 रुपए वार्षिक शुल्क के नाम पर करीब 39 लाख रुपए निजी खातों में वसूले गए। इन्हें प्रशिक्षण तक नहीं कराया गया और फर्जी सर्टिफिकेट बांट दिए गए। जयपुर के मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, जो मई 2024 में रिटायर हो चुके हैं, उनके नाम से फर्जी हस्ताक्षर करके बिल पास कराए और अपने निजी खातों में पैसे ट्रांफसर करवा लिए गए।

पद देने के नाम पर की गई 30- 30 हजार की वसूली

डोटासरा ने कहा- CSR फंड के 60 लाख रुपए सरकारी अनुदान में फर्जी बिल-वाउचर लगाकर गबन किए गए। RTI में जानकारी तक नहीं दी गई। स्काउट गाइड दर्पण पत्रिका की कॉपियां बांटने के नाम पर 7.5 लाख रुपए, स्टीकर वितरण के नाम पर हर साल 1 लाख रुपए लिए गए। पद देने के लिए बिना विज्ञप्ति पक्षपातपूर्ण भर्ती करके निजी खातों में 30-30 हजार रुपए की अैधव वसूली की गई। संगठित लूट के तहत संस्था के जिला कार्यालयों को 30 से 40' कमीशन पर बजट आवंटन किया गया। संस्था के सचिव नरेंद्र औदीच्य और अन्य अधिकारियों ने करीब 23 लाख रुपए निजी बैंक खातों में ट्रांसफर कराए। शिकायतकर्ता मनोज कुमावत ने 6 लाख 94 हजार रुपए सचिव नरेंद्र औदीच्य और अन्य अधिकारियों के खातों में दिए।

अधिकारियों के निजी बैंक खातों में ट्रांसफर करवाकर गबन करने का आरोप

डोटासरा ने कहा- हर प्रतिभागी से 300 रुपए शुल्क लेना अनिवार्य, लेकिन संस्था के खाते में एक रुपया तक जमा नहीं हुआ। फिर वो पैसा गया कहां ? ये पैसा संस्था के राज्य सचिव नरेंद्र औदीच्य और अन्य अधिकारियों के निजी बैंक खातों में ट्रांसफर करवाकर गबन करने का आरोप है।

मुख्य पेयजल पाइपलाइन से कनेक्शन को लेकर वार्डवासियों और वकीलों में विवाद

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

चिड़ावा शहर में ट्रेजरी के पास नए कुएं से डाली गई मुख्य पेयजल पाइपलाइन से कनेक्शन लेने को लेकर वार्डवासियों और वकीलों के बीच विवाद की स्थिति बन गई। वार्डवासियों ने प्रस्तावित कनेक्शन को अवैध बताते हुए इसका विरोध जताया है। वार्ड के लोगों का आरोप है कि कोर्ट परिसर से जुड़े कुछ लोग और वकील मुख्य पाइपलाइन से जबरन कनेक्शन लेना चाहते हैं, जबकि वाटर वर्क्स की नियमित लाइन मात्र 10 फीट की दूरी पर पहले से उपलब्ध है। प्रदर्शन कर रहे लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि विपक्षी पक्ष एसडीएम और एईएन के आदेशों का हवाला देकर उन पर दबाव बना रहा है। विवाद की सूचना मिलने पर स्थानीय लोगों ने प्रशासनिक अधिकारियों को मामले से अवगत कराया। वार्डवासियों के अनुसार संबंधित विभाग के अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि मुख्य पाइपलाइन से किसी भी प्रकार का अवैध कनेक्शन नहीं दिया जाएगा। वहीं दूसरी ओर वकीलों का कहना है कि कोर्ट परिसर में लंबे समय से पेयजल की गंभीर समस्या बनी हुई है, जिसके चलते उन्होंने कोर्ट के पास स्थित कुएं से कनेक्शन देने की मांग की है। एईएन सविता चौधरी ने बताया कि कनेक्शन को लेकर विवाद की जानकारी मिली है तथा दोनों पक्षों से समझाइश कर जल्द ही मामले का समाधान निकालने का प्रयास किया जाएगा।

जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए आगे आए भामाशाह मुरारी लाल लोहिया, आदर्श विद्या मंदिर को दिए 43,500 रुपए

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

शिक्षा के क्षेत्र में सामाजिक सरोकार निभाते हुए कोलकाता प्रवासी एवं जुपिटर वैगन्स लिमिटेड के मालिक भामाशाह मुरारी लाल लोहिया ने जरूरतमंद एवं आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों की सहायता के लिए आदर्श विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय, सीकर मार्ग को 43 हजार 500 रुपए की छात्रवृत्ति राशि प्रदान की। यह सहयोग उन विद्यार्थियों की स्कूल फीस एवं शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य से दिया गया है, जो आर्थिक अभाव के कारण पढ़ाई में कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। विद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिवार एवं उपस्थित गणमान्य लोगों ने भामाशाह मुरारी लाल लोहिया के इस प्रेरणादायी सहयोग की सराहना की। वक्ताओं ने कहा कि समाज में ऐसे दानदाताओं की वजह से अनेक जरूरतमंद बच्चों के सपनों को नई उड़ान मिलती है। शिक्षा के क्षेत्र में दिया गया सहयोग सबसे बड़ा पुण्य कार्य माना जाता है, क्योंकि इससे समाज और राष्ट्र का भविष्य मजबूत होता है। इस अवसर पर समाजसेवी ललित भूत, प्रमोद जाजोदिया, अमित तिवाड़ी, नरेश शर्मा, पुरुषोत्तम मिश्रा सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। विद्यालय के प्राथमिक विभाग के प्रधानाचार्य मुरारी लाल मिश्रा ने भामाशाह का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस आर्थिक सहयोग से अनेक विद्यार्थियों को राहत मिलेगी और वे बिना किसी आर्थिक चिंता के अपनी पढ़ाई जारी रख सकेंगे। कार्यक्रम में कृष्ण गोपाल शर्मा, श्रीमती तारामणी वेदी, विजेंद्र कुमार, भवानी सिंह सहित विद्यालय स्टाफ एवं अन्य लोग मौजूद रहे। विद्यालय परिवार ने भामाशाह मुरारी लाल लोहिया का अभिनंदन करते हुए उनके उज्ज्वल एवं सफल जीवन की कामना की।

सीकर-झुंझुनूं सीमा पर मंडावा पुलिस की सख्त नाकाबंदी, हाईवे पर तीन घंटे चला विशेष अभियान

ब्रेथ एनालाइजर से जांच, शराब पीकर वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई

डीजीपी के निर्देश पर मंडावा पुलिस का हाईवे पर बड़ा एक्शन, संदिग्ध वाहनों की हुई सघन तलाशी

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । प्रदेश में अपराध नियंत्रण और सड़क सुरक्षा को लेकर पुलिस प्रशासन लगातार सतर्क नजर आ रहा है। इसी क्रम में मंडावा थाना पुलिस ने कस्बे में सीकर-झुंझुनूं सीमा पर नेशनल हाईवे पर देर रात विशेष नाकाबंदी अभियान चलाकर वाहनों की सघन जांच की। पुलिस महानिदेशक के निर्देशों की पालना में चलाए गए इस अभियान के दौरान संदिग्ध वाहनों की तलाशी लेने के साथ-साथ शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई भी की गई। मंडावा थाना प्रभारी सीआई रामनारायण चोयल के नेतृत्व में पुलिस टीम करीब तीन घंटे तक हाईवे पर मुस्तैदी से तैनात रही। अभियान के दौरान पुलिस ने आने-जाने वाले वाहनों को रोककर दस्तावेजों की जांच की तथा संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखी। पुलिस द्वारा वाहनों की गहन तलाशी लेकर ड्रग्स तस्करी, अवैध हथियारों की आवाजाही और अन्य आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी रखी गई। नाकाबंदी के दौरान यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कई चालान काटे गए। वहीं शराब पीकर वाहन चलाने वालों की मौके पर ही ब्रेथ एनालाइजर मशीन से जांच की गई। जांच में दोषी पाए गए वाहन चालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई गई। अभियान के दौरान पुलिस अधिकारियों ने वाहन चालकों को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक भी किया। पुलिस ने आमजन से अपील की कि वे शराब पीकर वाहन नहीं चलाएं तथा यातायात नियमों की पालना करते हुए सुरक्षित यात्रा करें। थाना प्रभारी सीआई रामनारायण चोयल ने बताया कि पुलिस महानिदेशक के निर्देशों के तहत यह विशेष अभियान चलाया गया, जिसका मुख्य उद्देश्य अपराध नियंत्रण, सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करना और नशे में वाहन चलाने वालों पर प्रभावी कार्रवाई करना था। उन्होंने कहा कि मंडावा पुलिस भविष्य में भी इस प्रकार के विशेष अभियान लगातार जारी रखेगी, ताकि अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके और आमजन को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराया जा सकें।

चैयरमेन चिरानिया ने अग्रवाल समाज के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों से की मुलाकात व गुलदस्ता भेंट कर दी बधाई

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के सीकर जिला चेयरमेन अमित चिरानिया ने सम्मेलन के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय महामंत्री गोपाल गोयल, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष नाथूराम जैन, सह कोषाध्यक्ष मोहन गुप्ता एवं विनोद गुप्ता से दिल्ली प्रवास के दौरान मुलाकात की व गुलदस्ता भेंट कर बधाई दी। यह जानकारी देते हुए युवा अग्रवाल सम्मेलन के प्रदेश महामंत्री संदीप बजाज ने बताया कि इस अवसर पर अग्रवाल समाज के उत्थान एकजुटता और सामाजिक सरोकारों से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई साथ ही सीकर जिले के सामाजिक समीकरण पर चर्चा की गई और शेखावाटी के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल खाटूश्याम जी और सालासर बालाजी आने का निमंत्रण भी दिया।

ऋण बोझ से किसानों को बड़ी राहत, एक दिन में बैंकों ने किए 39 लाख के समझौते

ब्याज व पेनल्टी में छूट देकर कराया निपटारा, लोक अदालत में भी मिलेगा योजना

भीम प्रज्ञा न्यूज.महवा।

मनोज खंडेलवाल । क्षेत्र के किसानों को पुराने ऋण भार से राहत दिलाने के उद्देश्य से गुरुवार को पंजाब नेशनल बैंक की ओर से किसान ऋण समझौता कैम्प का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण किसानों ने पहुंचकर बैंक अधिकारियों के साथ एकमुश्त समझौते किए। कैम्प में किसानों को ब्याज व अन्य देय राशि में विशेष छूट देकर ऋण निपटान कराया गया, जिससे किसानों को आर्थिक राहत मिलने के साथ बैंकों की लंबित वसूली में भी बड़ा इजाफा हुआ। पूरे क्षेत्र में आयोजित इस सामूहिक अभियान के तहत विभिन्न शाखाओं द्वारा करीब 39 लाख रुपए की रिकवरी एवं समझौता राशि प्राप्त की गई। पैनल अधिवक्ता हरिसिंह मीना एडवोकेट ने बताया कि पंजाब नेशनल बैंक शाखा महवा के द्वारा आयोजित मुख्य कैम्प में अकेले करीब 20 लाख रुपए की रिकवरी हुई। वहीं बैजूपाडा शाखा में लगभग 10 लाख रुपए, बिवाई शाखा में 3 लाख रुपए, मीना सीमला शाखा में 5.20 लाख रुपए तथा गढ़ी सवाईराम शाखा में 3.60 लाख रुपए की रिकवरी दर्ज की गई। इसके साथ ही सिकराय बैंक शाखा का भी सामूहिक कैम्प आयोजित किया गया, जहां किसानों ने ऋण समझौता योजना का लाभ उठाया। ग्रामीण अंचल के किसानों ने इसे राहत देने वाला कदम बताते हुए कहा कि लंबे समय से बढ़ते ब्याज और नोटिसों के दबाव के बीच यह योजना उनके लिए संजीवनी साबित हो रही है।

कैम्प में जयपुर से पहुंचे डीवाईजीएम सुधीर शर्मा एवं अलवर सर्किल डीजीएम श्वेताशं कुमार ने किसानों को बैंक योजनाओं की जानकारी देते हुए समय पर ऋण निस्तारण का संदेश दिया। अलवर सर्किल के मुख्य प्रबंधक स्वपनिल सांगी, महवा शाखा प्रबंधक जगपाल मीना, कृषि अधिकारी मनोज कुमार मीणा सहित विभिन्न बैंक शाखाओं के प्रबंधकों ने किसानों से संवाद कर उन्हें समझौता प्रक्रिया से अवगत कराया। रिकवरी एजेंसी प्रबंधक ताराचंद एवं बैंक कर्मचारियों ने भी कैम्प को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बैंक अधिकारियों ने किसानों से अपील करते हुए कहा कि जिन खाताधारकों का ऋण लंबित है, वे शनिवार 09 मई 2026 को महवा न्यायालय में आयोजित होने वाली लोक अदालत में पहुंचकर भी समझौता योजना का लाभ ले सकते हैं।

बचपन

वेकेशन में अपने बच्चों को बिजी रखने के लिए अपनाएं ये तरीकें

बच्चों को गर्मियों की छुट्टियां होते ही ज्यादातर पेरेंट्स अपने बच्चों के साथ वेकेशन मनाने की तैयारी पहले से ही करने लगते हैं। हर मां-बाप चाहते है कि उनके बच्चे अपनी छुट्टियां मौज और मसती से बिताएं। ऐसे में हर बच्चे का मन होता है कि वह अपने पेरेंट्स के साथ किसी वेकेशन पर जाएं। पर कुछ पेरेंट्स काम में बिजी होने के कारण बच्चों के साथ वेकेशन पर नहीं जा पाते। इसलिए आज हम पेरेंट्स को कुछ ऐसे टिप्स बताएगें जिसे वह अपने बच्चों को वेकेशन में बिज़ी रख सकते है। तो आइए जानते हैं...

- एक्टिविटीज़ में भाग लेने के लिए भेजें

माता-पिता को चाहिए कि वह अपने बच्चों को घर में बिठाने की जगह स्कूल में ऑर्गनाइज़ की जानेवाली एक्स्ट्राकुरिकलर एक्टिविटी में भेजें। ऐसा करने से वह अपने स्कूल फ्रेंड्स के साथ एक्टिविटीज़ में भाग लेने के लिए आसानी से तैयार भी हो जाएगें।

- समर कैंप

गर्मी की छुट्टियों में समर कैंप लगाने के लिए बच्चों की एडमिशन करवा

दें क्योंकि इन कैंप को लगाने से आपके बच्चों को अलग अनुभव मिलता है और साथ ही वह स्वतंत्र रूप से चीज़ों को मैनेज करना भी सीख सकते हैं।

- क्रिएटिव आर्ट क्लासेस

जो बच्चे क्रिएटिव आर्ट का शौक रखते हैं तो उन्हें उसका शौक पूरा करने के लिए गर्मी की छुट्टियों में क्रिएटिव आर्ट क्लासेस जरूर ज्वाइन करवाएं। ऐसा करने से उनकी छुट्टियां बोरिंग नहीं होगी और वह मौज-मस्ती से अपने दोस्ते के साथ अपनी वेकेशन को बिता सकेगे।

- रुटीन एक्सरसाइज़ क्लासेस लगाएं

अगर आप अपने बच्चों को वेकेशन में कहीं घुमाने के लिए नहीं लेकर जा सकते तो छुट्टियों में बच्चों को घर में बैठाने की जगह रूटीन एक्सरसाइज़ जैसे कि योगा, कराटे, स्वीमिंग कलासेस आदि लगाने के लिए प्रेरित करें।

- घर में आपके साथ मदद करने के लिए कहें

छुट्टियों में बच्चों को बिजी रखना चाहते है तो आप अपने साथ घर के छोटे-छोटे कामों में बच्चों को मदद भी ले सकते हैं। जैसे कि आप बच्चों के कमरे में पड़ी बुक और टॉय को अच्छे से अरेंज कर सकते हैं। ऐसा करने से आपके बच्चें बिज़ी तो रहेगे ही साथ ही वह क्लीनलीनेस और डिसिप्लीन भी सिखेंगे।

- फैमिली ट्रिप पर साथ लेकर जाएं

बच्चों की वेकेशन में उन्हें घूमाने के लिए फैमिली ट्रिप प्लान करें। ऐसा करने से आप अपने बच्चों के साथ क्वालिटी टाइम बिता सकते है और बच्चे इस फैमिली ट्रिप को हमेशा याद भी रखेगे।

बच्चे के साथ सोने के हैं बहुत सारे फायदे

पेरेंट्स अपने काम में इतना ज्यादा व्यस्त रहते हैं कि उनके पास बच्चो के लिए टाइम ही नहीं होता। भागदौड़ की जिंदगी और बदलती जीवनशैली के कारण वह दिनभर तो बच्चों के साथ टाइम बिता नहीं पाते, पर इस दूरी को कम करने के लिए वह रात को बच्चों के साथ सोते हैं। आज हम आपको बच्चों के साथ सोने से फायदों के बारें में बताएगें। तो आइए जानते हैं...

- सुरक्षित महसूस करना

बच्चे अक्सर रात को अकेले सोने से डर कर उठ जाते हैं और उनकी नींद पूरी नहीं होती। ऐसे में स्वयं को असुरक्षित महसूस करते हैं। कभी-कभी तो बच्चे डर कर भी रोने लगते हैं। ऐसे बच्चें अक्सर अपने मां-बाप के साथ स्वयं को सुरक्षित महसूस करते है।

- हेल्दी बैड टाइम रूटीन

समय पर सोने से नींद तो अच्छी आती ही है साथ ही हमारा स्वास्थ्य भी अच्छा रहता है। इसलिए पेरेंट्स को चाहिए कि वह बच्चों में हेल्दी बैड टाइम रूटीन डालने के लिए उनके साथ ही सोएं।

- मानसिक रूप से करीब

रात को बच्चों के साथ सोने आप उनके दिन की हर हरकत के बारे में आसानी से पूछ सकते हैं। ऐसा करने से आपका बच्चा आपके साथ अपने दिल की सारी बातें बताएगा। अगर उसे कोई परेशानी है तो वह आपसे कहेगा और बिना किसी मानसिक परेशानी लिए आराम से सो पाएगा।

- समय बिताना

यदि आपका बच्चा हर रोज आपसे कहानी सुन कर सोता है तो इसका मतलब है कि उसकी सोने की इच्छा नहीं है और आपके साथ कुछ वक्त बिताना चाहता है। इसलिए जो मां-बाप अपने बच्चों के साथ दिन में समय नहीं बिता पाते वह रात को बच्चों के साथ समय बिताने के लिए जरूर सोएं। - अच्छे संस्कार जो बच्चे रात के समय अपने पेरेंट्स के साथ सोते हैं उन्हें कहानियां सुना कर आप अच्छे संसकार दे सकते हैं। इन कहानियों से उन्हें बहुत सारी सीख भी मिलती है जिन्हें वह हमेशा याद रखते हैं।

- आत्मसम्मान में वृद्धि

जो बच्चे अपने पेरेंट्स के साथ सोते हैं उनमें आत्मसम्?मान में वृद्धि होती है। ऐसे बच्चे किसी के दबाव में कम रहते हैं और वह ज्यादा खुश रहते हैं।

इन लक्षणों से पहचानें बच्चे की नजर कमजोर है

पहले मनोरंजन के नाम पर बच्चे बहुत सारे खेल खेलते थे, जिसमें ज्यादातर आऊटडोर गेम्स शामिल होते थे। वह अपना अधिकतम समय कहानी सुन कर या खेल-कूद में बिताया करते है लेकिन अब तो टैलीविजन, वीडियो गेम्स और कंप्यूटर ही उनकी पहली पसंद बन गए हैं। टैलीविजन और वीडियो गेम्स के सामने बैठे वह अपने शरीर को बिलकुल भी हिलाना पसंद नहीं करते। लेकिन यह पैरेंट्स की जिम्मेदारी बनती हैं कि वह अपने बच्चों के स्वास्थय का पूरा ध्यान रखें। बच्चे के शरीर की तरह उनकी आंखें भी बहुत कोमल होती है। अगर छोटी उम्र में ही चश्मा लग जाएं तो पूरी उम्र उससे पिछा नहीं छुटता। यदि आपको यह लगता है कि आपके बच्चे की नजर कमजोर हो रही हैं तो नीचे दिए गए लक्षणों को ध्यान में रखें। अगर लक्षण दिखाई दे तो तुरंत आंखों की जांच करवाएं।

1. बार-बार आंखों को मलना यह बच्चों की कमजोर नजर की निशानी हो सकती है। वैसे कई बच्चों को वैसे भी आंखें मलने की आदत होती है।

2. लगातार सिर दर्द की होने के पीछे कई कारण हो सकते हैं लेकिन लेकिन अगर बच्चे को टीवी देखते या पढ़ाई करते समय सिर दर्द हो तो यह आई साइड विक की निशानी हो सकती है। 3. अगर बच्चा एक आंख बंद करके टीवी देखें या वीडियो गेम खेले तो समझ लें कि उसे चश्मा लगने वाला है।

4. तेज रोशनी में पलके झपकना और धीमी रोशनी को ओर बढ़ते वक्त धब्बे नजर आते हैं तो यह लक्षण विटामिन की कमी के हैं। अपने बच्चे के आहार में विटामिन ए की मात्रा को बढाएं और उसे रोज सुबह गाजर का जूस पिलाएं।

5. भेंगापन कई बार बच्चे मज़ाक में भी अपनी नजरों को तिरछा करते हैं। यदि ये मजाक ना होकर हर दूसरे, तीसरे दिन की आदत बनती जा रही है तो अपने बच्चे की आंखों का इलाज कराएं।

6. सिर को बार-बार घुमाना भी कमजोर नजर का एक लक्षण है। यदि आपका बच्चा टी.वी. देखते समय बीच-बीच में आंखों को बंद करके सिर को हिलाता रहता है, तब इस लक्षण पर ध्यान दें।

7. अगर बच्चे को दूर से कोई चीज साफ ना नज़र आए और वह उसे देखने के लिए बहुत करीब आए तो बच्चे की नजर जरूर चैक करवाएं।

8. आई बॉल की गति से लक्षण को पहचानना मुश्किल हो सकता है। इस लक्षण को पहचाने के लिए बात करते वक्त आपको अपने बच्चे की आंखों को गौर से देखना होगा। यदि आई बॉल की गति में कुछ भिन्नता नज़र आए तो तुरंत एक नेत्र विशेषज्ञ से संपर्क करें।

9. नींद पूरी ना होने के कारण भी बच्चों की आंखें लाल हो सकती हैं लेकिन रोज लालगी आती है तो नजर टेस्ट जरूर करवाएं।

10. आंखों में दर्द के कारण बच्चे को आंखों में चुभन महसूस होती है तथा उसके आंखों से पानी भी आने लगता है तो समझ लें आंखों की रोशनी कम हो

मां-बाप की लड़ाई में क्यों पिसे बच्चा?

बच्चों के व्यवहार पर उसके माता-पिता के व्यवहार की छाप दिखाई देती है। यह बात बहुत सारी रिसर्च में भी कहीं गई है कि बच्चे के व्यवहार में 90 प्रतिशत असर उसके अभिभावकों के व्यवहार का ही होता है। उनके स्वभाव और सोच पर आपको वैसी ही झलक दिखाई देगी जैसा माहौल उसे बचपन से लेकर बड़ा होने तक मिला होगा। अगर माहौल खुशनुमा हैं तो बच्चा खुश मिजाज होगा लेकिन अगर माहौल लड़ाई-झगड़े से भरा पड़ा हैं तो बच्चे का स्वभाव गुस्सैल, चिड़चिड़ा और ईर्ष्या वाला होगा। बहुत सारे मातापिता ऐसे हैं जो अपने बच्चों के सामने ही लड़ाई, बहस और मारपीट शुरू कर देते हैं लेकिन क्या उन मां-बाप ने कभी सोचा है कि ऐसा करने पर बच्चे के मन पर क्या बीतती होगी या इस लड़ाई का उनके दिमाग पर कैसा असर पड़ता होगा। ऐसे माहौल से बच्चे की लाइफ में कई तरह की समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। वह मानसिक रूप से बीमार पड़ सकते हैं। ***माता-पिता के झगड़ों का बच्चों पर बुरा असर**

-डिप्रैशन

बच्चे डिप्रैशन का शिकार हो जाते हैं क्योंकि उन्हें खुशहाल माहौल और प्यार नहीं मिलता।

-सहमें रहना बच्चों के सामने मारपीट, बहस और गाली-ग्लौच करते हुए पैरेंट्स इस बात को भूल जाते हैं कि उनकी इन हरकतों की वजह से उनके बच्चे सारी उम्र डरे सहमें रहते हैं। उन्हें किसी भी रिश्ते को निभाने में डर लगता है।

-मानसिक रूप से परेशान

ऐसे माहौल में रहने वाले बच्चों को मानसिक विकास अच्छे से नहीं हो पाता। वह बचपन की मस्तियों को खो देते हैं। कई बार तो बच्चा खुद को ही उन झगड़ों की वजह मानने लगता है।

-चिड़चिड़ा और गुस्सैल

झगड़े को देखकर उसका स्वभाव भी चिड़चिड़ा और गुस्सैल हो जाता हैं, जिसका असर जीवन भर उसकी जिंदगी में देखने को मिलता हैं। यही स्वभाव आगे चलकर उसकी लाइफ में बहुत सारी प्रॉब्लम खड़ी कर देता है।

- पढ़ाई में कमजोर

ऐसे बच्चे का दिमाग कभी फ्रैश नहीं होता। वह न तो ढंग से किसी दूसरे बच्चे से बात कर पाता हैं और न ही पढ़ाई।

***इन बातों का रखें ध्यान**

-माता-पिता आपसी मन-मुटाव की बातें बंद कमरे में ही निपटाएं।
-बच्चों के सामने ऐसी कोई बात न करें जो उन्हें तनाव दें।
- बच्चों को बड़ों की आपसी बातचीत से दूर रखें।
- बच्चे को खुशनुमा माहौल दें।

भीम प्रज्ञा न्यूज़ का बड़ा असर : पपुरना फर्जी पट्टा प्रकरण में तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी निलंबित

सीईओ जिला परिषद कैलाश चंद्र यादव की कार्रवाई, फर्जी पट्टे जारी करने और रिकॉर्ड गायब करने के आरोपों पर गिरी गाज

भीम प्रज्ञा न्यूज़ / खेतड़ी

खेतड़ी पंचायत समिति की ग्राम पंचायत पपुरना में चर्चित फर्जी पट्टा प्रकरण में आखिरकार प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी जय किशन मीणा को निलंबित कर दिया है। झुंझुनूं जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कैलाश चंद्र यादव ने यह कार्रवाई खेतड़ी पंचायत समिति के विकास अधिकारी की जांच रिपोर्ट के आधार पर की है। निलंबन अवधि के दौरान जय किशन मीणा का मुख्यालय झुंझुनूं निर्धारित किया गया है। गौरतलब है कि 4 मई को भीम प्रज्ञा न्यूज़ ने 'पपुरना में फर्जी पट्टे जारी' प्रकरण को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। इसके बाद मामला प्रशासनिक स्तर पर गंभीरता से लिया गया और जांच शुरू हुई। प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से ग्राम पंचायत प्रशासक विमला देवी एवं ग्रामीणों ने तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी सहित अन्य लोगों पर फर्जी पट्टे जारी करने, फर्जी हस्ताक्षर व मोहर लगाने तथा पंचायत रिकॉर्ड से छेड़छाड़ करने के गंभीर आरोप लगाए थे।

बिना प्रस्ताव और रिकॉर्ड के जारी हुए पट्टे

जांच में सामने आया कि ग्राम पंचायत में लगभग 35 से 40 पट्टे ऐसे जारी किए गए, जिनका कोई उल्लेख पंचायत की बैठक

सोमवार, 4 मई, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com

पपुरना में फर्जी पट्टों का बड़ा खेल उजागरः तीन पीढ़ियों से रह रहे परिवारों की जमीन पर कब्जे की साजिश!

सरपंच प्रशासक विमला देवी का बड़ा आरोप–ग्राम विकास अधिकारी व भूमाफिया की मिलीभगत, फर्जी हस्ताक्षर कर 35-40 पट्टों का किया गया पंजीयन

फर्जी हस्ताक्षर और मोहर से तैयार किए गए पट्टे

पपुरना पंचायत के फर्जी पट्टा प्रकरण को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस में सरपंच प्रशासक विमला देवी के साथ विरोध जताते ग्रामीण

ग्राम पंचायत पपुरना का आबाद गांव

ग्राम पंचायत पपुरना का आईटी केंद्र

रिकॉर्ड में नहीं कोई उल्लेख, न ही ग्रामसभा की स्वीकृति

सरपंच ने खुद को बताया निर्दोष, रची गई साजिश का आरोप

एसीबी जांच की मांग, कई अधिकारियों को भेजे पत्र

तीन पीढ़ियों से रह रहे परिवार हुए प्रभावित

एक व्यक्ति के नाम कई पट्टे, बाहरी लोगों को भी फायदा

कार्रवाई, ग्रामसभा प्रस्ताव या राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज नहीं मिला। आरोप है कि तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी ने कुछ भूमाफिया तत्वों से मिलीभगत कर फर्जी पट्टा बुक के जरिए कीमती आबादी भूमि के पट्टे जारी कर दिए। इतना ही नहीं, उप तहसील बबाई में फर्जी हस्ताक्षर और मोहर लगाकर इन पट्टों का पंजीयन भी करवा लिया गया। प्रशासक विमला देवी ने दावा किया था कि उन्हें इन पट्टों की भनक तक नहीं लगने दी गई और उनके नाम व मोहर का दुरुपयोग किया गया। मामले में एसीबी, जिला कलेक्टर झुंझुनूं और पंचायत राज विभाग को शिकायत भेजकर निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई थी।

तीन पीढ़ियों से रह रहे परिवारों की जमीन पर विवाद

प्रकरण उस समय और गंभीर हो गया जब पपुरना के वार्ड नंबर तीन पुरानी पानी टंकी क्षेत्र में रहने वाले कई परिवारों ने आरोप लगाया कि वे तीन पीढ़ियों से जिस भूमि पर रह रहे हैं, उसी भूमि के पट्टे किसी अन्य व्यक्ति के नाम जारी कर दिए गए। रहमत बानो, उल्फत बानो, माफिया बानो और नजमा बानो सहित कई परिवारों ने कहा कि उनके बिजली, पानी और राशन कार्ड सहित सभी दस्तावेज वर्षों से उसी पते पर बने हुए हैं, बावजूद इसके उनकी भूमि दूसरे नामों पर दर्ज कर दी गई।

प्रशासनिक कार्रवाई से ग्रामीणों में संतोष

जिला परिषद द्वारा ग्राम विकास अधिकारी को निलंबित किए जाने के बाद ग्रामीणों में संतोष का माहौल है। ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों ने कहा कि यह कार्रवाई भ्रष्टाचार और भूमाफिया गठजोड़ के खिलाफ एक महत्वपूर्ण कदम है। लोगों ने मामले की गहन जांच कर पूरे गिरोह का पर्दाफाश करने और फर्जी पट्टों को निरस्त करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते मामला उजागर नहीं होता तो पंचायत की कीमती भूमि और वर्षों से बसे गरीब परिवारों के आशियाने खतरे में पड़ सकते थे। अब ग्रामीणों को उम्मीद है कि जांच के बाद पूरे प्रकरण में शामिल अन्य दोषियों पर भी कठोर कार्रवाई होगी।

ग्राम रथ अभियान के तहत बारवा में जनकल्याणकारी योजनाओं की दी जानकारी

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

राज्य सरकार के प्रदेशव्यापी 'ग्राम रथ अभियान' के तहत शुक्रवार को ग्राम पंचायत बारवा में कार्यक्रम आयोजित कर आमजन को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में सरकार की योजनाओं, उपलब्धियों एवं विकास कार्यों का प्रचार-प्रसार एलईडी रथ के माध्यम से किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि देवनारायण बोर्ड के अध्यक्ष ओमप्रकाश भडाणा ने कहा कि ग्राम रथ अभियान सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम साबित होगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार गांव, गरीब, किसान, युवा एवं महिलाओं के सशक्तिकरण के साथ प्रदेश के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि इन योजनाओं से समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहा है। इस दौरान नवलगढ़ विधायक विक्रम सिंह जाखल ने ग्राम पंचायत बारवा में उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने ग्रामीणों से योजनाओं का अधिकाधिक लाभ उठाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में प्रियंका शर्मा, विकास अधिकारी रितेश सांखला, सहायक निदेशक कृषि रोहिताश ढाका, कृषि अधिकारी नवलगढ़ सुभाष चन्द्र सीगड़, उपनिदेशक पशुपालन डॉ. गिरधारी भास्कर, पूर्ण सिंह शेखावत, शंकर लाल सैनी, राजेन्द्र सैनी, जगमोहन सिंह शेखावत, बीरबल यादव, किशन गुर्जर, धरमवीर, धीरजी, महेश, दिनेश, प्रकाश सैनी, मनीष शर्मा, राधेश्याम भडाणा, प्रहलाद भडाणा, श्रीराम भडाणा, भानुराम भडाणा, जगदीश मास्टर, केशर गुर्जर, पोखर सिराधना सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहें।

बिजली बोर्ड की अनदेखी हादसों के इंतजार में- रेल्वे स्टेशन मार्ग पर मौत को निमंत्रण देता खुले में खड़ा विद्युत ट्रांसफार्मर, निगम नींद में

मंडी सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों के लिए सबसे बड़ा खतरा,अभिभावक चिंतित

भीम प्रज्ञा न्यूज़ सूरजगढ़ ।

सूरजगढ़ कस्बा स्थित रेलवे स्टेशन रोड़ मार्ग परिधि में रेल बाउंड्री के नजदीक खुले में लगा विद्युत ट्रांसफार्मर आम राहगीरों सहित नजदीक राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों की जान का सबसे बड़ा खतरा बना हुआ है। जिसके चलते अभिभावक और विद्यालय स्टाफ खुले पड़े ट्रांसफार्मर से लंबे समय से भयभीत एवं चिंतित है। क्योंकि सरकारी विद्यालय नजदीक है और छात्र-छात्राओं के विद्यालय आने जाने का मुख्य मार्ग भी है। अभिभावकों एवं वार्ड वासियों ने बताया कि पूर्व चेयरमैन प्रतिनिधि को भी कई बार इसके बारे में जानकारी देकर बाउंड्री वॉल की मांग के बावजूद आज तक कोई ध्यान नहीं दिया गया है। कस्बे का मुख्य और महत्वपूर्ण मार्ग और आबादी वाला क्षेत्र होते हुए भी किसी जनप्रतिनिधि,स्थानीय प्रशासन अथवा सरकारी मुलाजिमों ने पूर्णतया आंखें मूंद रखी है। दुख और आश्चर्य की बात तो यह है कि इस मार्ग के जरिए अधिकारी कर्मचारी रोजाना ट्रेन से सफर भी करते है मगर किसी की जान की कीमत जानने वाला कस्बे में कोई भी लोकसेवक नहीं दिखाई देता। जबकि उपखंड अधिकारी, तहसीलदार, अधिशाषी अधिकारी, सीआई पुलिस सहित अन्य जिम्मेवार, सब डिविजनल स्टेशन पर बैठते है। वार्ड वासियों सहित अभिभावकों ने स्थानीय शासन प्रशासन एवं अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के सहायक अभियंता को खबर के माध्यम से आग्रह करते हुए ट्रांसफार्मर के बाउंड्री वॉल लगाने एवं शीघ्र ट्रांसफार्मर को स्थाई रूप से हटाने की पुरजोर शब्दों में मांग की है, ताकि निकट भविष्य में कोई बड़ी जनहानि से बचा जा सके।दि समय रहते मामला उजागर नहीं होता तो पंचायत की कीमती भूमि और वर्षों से बसे गरीब परिवारों के आशियाने खतरे में पड़ सकते थे। अब ग्रामीणों को उम्मीद है कि जांच के बाद पूरे प्रकरण में शामिल अन्य दोषियों पर भी कठोर कार्रवाई होगी।

मंडावा में जनगणना प्रशिक्षण के तीसरे बैच का निरीक्षण, स्वगणना के लिए किया प्रेरित

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

तहसील मंडावा में संचालित जनगणना प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत तीसरे बैच के प्रशिक्षण सत्र का शुक्रवार को जिला उप जनगणना अधिकारी पूनम कटेवा, जनगणना समन्वयक सुभाष यादव तथा तहसीलदार डॉ. सुरेंद्र भास्कर ने निरीक्षण किया। अधिकारियों ने प्रशिक्षण केंद्र पहुंचकर कार्मिकों की उपस्थिति का अवलोकन किया तथा प्रशिक्षण व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे पर्यवेक्षकों एवं प्रगणकों को जनगणना कार्य की महत्ता, पारदर्शिता एवं सटीकता के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही उपस्थित सभी कार्मिकों की स्वगणना भी करवाई गई तथा उन्हें अपने-अपने क्षेत्र में अधिक से अधिक परिवारों को स्वगणना के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने कहा कि स्वगणना प्रक्रिया से आमजन की भागीदारी बढ़ेगी तथा जनगणना कार्य अधिक सरल, तेज एवं प्रभावी ढंग से सम्पन्न हो सकेगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कार्मिकों को जनगणना कार्य से जुड़ी विभिन्न प्रक्रियाओं, ऑनलाइन एवं ऑफलाइन डेटा संग्रहण, मोबाइल एप्लीकेशन के उपयोग, परिवार विवरण दर्ज करने की विधि तथा आंकड़ों की शुद्धता बनाए रखने संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी जा रही है। इसके साथ ही व्यवहारिक अभ्यास भी करवाया जा रहा है, ताकि फील्ड में जाकर कार्मिक सुचारू रूप से कार्य संपादित कर सकें। अधिकारियों ने बताया कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य को पूर्णतः व्यवस्थित एवं त्रुटिरहित तरीके से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से प्रत्येक बैच को तीन दिवसीय विस्तृत प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के माध्यम से कार्मिकों को हर पहलू की जानकारी देकर दक्ष बनाया जा रहा है, जिससे आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो।गौरतलब है कि तहसील मंडावा में जनगणना प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ 1 मई से किया गया था। इसके तहत विभिन्न बैचों में पर्यवेक्षकों एवं प्रगणकों को चरणबद्ध तरीके से प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है तथा कार्यक्रम निर्धारित समयानुसार लगातार संचालित किया जा रहा है।

युवा भाजपा नेता मयंक शर्मा ने की मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से शिष्टाचार भेंट

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

जिले के खंडेला विधानसभा क्षेत्र के जाजोद में जन संवाद व रात्रि चौपाल कार्यक्रम में आए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से भाजपा आईटी विभाग के जिला सह संयोजक मयंक शर्मा ने शिष्टाचार मुलाकात की। इस अवसर पर युवा भाजपा नेता शर्मा ने मुख्यमंत्री को लक्ष्मनगढ की राजनैतिक व संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी दी।

पीड़ित मानवता की सेवा मानवीय मूल्यों का सर्वश्रेष्ठ कर्म- डीवाईएसपी

अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस दिवस मनाया

भीम प्रज्ञा न्यूज.अजीतगढ़।

शुक्रवार को इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी कार्यालय अजीतगढ़ मे अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस दिवस पुलिस उपाधीक्षक प्रेम बहादुर निर्भय के मुख्य आतिथ्य व भानु प्रताप यादव, आरएएस के विशिष्ट अतिथि तथा उपसरंक्षक विजय यादव की अध्यक्षता मे मानवीय मूल्यों का कर्म विषय पर विचार संगोष्ठी रखी गई। मुख्य अतिथि डीवाईएसपी निर्भय ने कहा कि पीड़ित मानवता की सेवा मानवीय मूल्यों का सर्वश्रेष्ठ कर्म है,राह भटके हुये को सकारात्मक सोच के साथ सही मार्ग बताना भी सेवा कार्य ही है। विशिष्ट अतिथि भानु प्रताप ने कहा कि रेडक्रॉस सोसायटी के द्वारा किये गये समाजहित के कार्य प्रेरणादायी है,युवाओं को इनसे सीखकर सत्कर्म करने का सकंल्प लेना चाहिए। इस अवसर पर पक्षियों के लिये 8 परिंडे भी रखे गये। इस मौके पर तहसील प्रभारी कपिल मीणा, राजेश शर्मा, महेश दीवान, धर्मा सैंन, विनोद शर्मा, जगदीश कुमावत, एएसआई रघुवीर प्रसाद, पवन टांक, अनुज, सुरेंद्र मीणा तथा मंच संचालन मोहम्मद शरीफ गौरी ने किया।

अनुसूचित जाति-जनजाति समाज पर बढ़ते अत्याचारों के खिलाफ झुंझुनूं में होगी संघर्ष समिति की अहम बैठक

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

जिले में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति समाज पर लगातार बढ़ रहे अत्याचार, सामाजिक भेदभाव और उत्पीड़न की घटनाओं को लेकर सामाजिक संगठनों ने एकजुट होकर संघर्ष को मजबूत करने का निर्णय लिया है। इसी उद्देश्य से गठित अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति अत्याचार विरोधी जिला संघर्ष समिति की महत्वपूर्ण बैठक 10 मई 2026, रविवार को प्रातः 10 बजे डॉ. अम्बेडकर भवन में आयोजित की जाएगी। बैठक संघर्ष समिति के जिलाध्यक्ष रामानंद आर्य की अध्यक्षता में होगी। इसमें जिलेभर में अनुसूचित जाति एवं जनजाति समाज पर हो रहे अत्याचारों, सामाजिक अन्याय, प्रशासनिक लापरवाही तथा पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने जैसे गंभीर मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि बैठक में समिति के विस्तार को लेकर भी रणनीति बनाई जाएगी, ताकि अधिक से अधिक सामाजिक संगठनों, युवाओं एवं समाजसेवियों को जोड़कर समाज की आवाज को मजबूत किया जा सके। समिति का उद्देश्य समाज में एकता, जागरूकता और अधिकारों के प्रति संघर्ष की भावना को मजबूत करना है। समिति का मानना है कि सामाजिक संगठनों की सामूहिक भागीदारी और संगठित प्रयासों से ही जिले में हो रहे अत्याचारों पर प्रभावी रोक लगाई जा सकती है। इसी को ध्यान में रखते हुए सभी सामाजिक संगठनों, जागरूक नागरिकों, युवाओं एवं समाजहित में कार्य करने वाले लोगों से बैठक में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की गई है। जिला महासचिव विकास आल्हा ने कहा कि समाज की एकजुटता ही अन्याय और अत्याचार के खिलाफ सबसे बड़ी ताकत है। अब समय आ गया है कि सभी लोग मिलकर सामाजिक न्याय एवं संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए संगठित होकर आगे आएं।

डॉ भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा तोड़ने व पोस्टर जलाने के विरोध में भीम आर्मी का प्रदर्शन

भीम प्रज्ञा न्यूज.रेवाड़ी।

भीम आर्मी भारत एकता मिशन रेवाड़ी की ओर से जिला प्रशासन को दो गंभीर मामलों को लेकर लिखित शिकायत सौंपते हुए दोषियों के खिलाफ तत्काल कड़ी कार्रवाई की मांग की गई। संगठन ने जिले के गांव शहबाजपुर खालसा में 6 मई की रात संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर एवं महाराज शोभानाथ जी की प्रतिमा तोड़े जाने तथा 14 अप्रैल भीम जयंती पर गांव कसोला में बाबा साहब का पोस्टर फाड़कर जलाने की घटनाओं को बेहद गंभीर बताते हुए आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग उठाई।जिला अध्यक्ष रोहित वाल्मीकि ने कहा कि महापुरुषों का अपमान किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इन घटनाओं से क्षेत्र में भारी रोष और तनाव का माहौल है, जिससे शांति व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका बनी हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक आरोपी को पकड़ने के बावजूद उसके खिलाफ गंभीर धाराएं नहीं लगाई गई हैं। रोहित वाल्मीकि ने यह भी कहा कि गांव शहबाजपुर खालसा के जो लोग इस मामले को उठा रहे हैं, उन्हें पुलिस प्रशासन द्वारा परेशान कर डराने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि किसी भी निर्दोष व्यक्ति या संगठन के कार्यकर्ताओं को प्रताड़ित न किया जाए।

भीम आर्मी ने दोनों मामलों में सभी आरोपियों की गिरफ्तारी कर विभिन्न धाराओं के साथ रासुका एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज करने की मांग की। साथ ही गांव शहबाजपुर खालसा में टूटी प्रतिमा और गांव कसोला में जलाए गए पोस्टर को तुरंत दोबारा स्थापित कराने तथा दोनों घटनास्थलों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने की मांग भी रखी गई। संगठन ने जिला प्रशासन को 48 घंटे का अल्टीमेटम देते हुए चेतावनी दी कि यदि तय समय सीमा में कार्रवाई नहीं हुई तो रेवाड़ी में बड़ा जन आंदोलन किया जाएगा। जिला अध्यक्ष रोहित वाल्मीकि ने कहा कि आंदोलन में भीम आर्मी चीफ एवं सांसद चंद्रशेखर आजाद भी शामिल हो सकते हैं। जिला मुख्यालय रेवाड़ी पर ज्ञापन सौंपने के दौरान जिला प्रभारी अशोक कुमार, सह प्रभारी पवन कुमार, जिला महासचिव सुरजीत सिंह, राजपाल चोटी, प्रवीन कुमार, बुधराम सिंह पंवार, भगत सिंह बौद्ध, जिला उपाध्यक्ष दीपक गोठवाल, कोसली विधानसभा अध्यक्ष संजय सिंह, प्रताप सिंह, जिला सचिव मंजीत सिंह, बिजेंद्र, ओमप्रकाश सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अग्रवाल सम्मेलन मंडावर की महिलाओ ने तपती धूप में बेजुबानों के लिये परिंडे बांधकर लिया सुरक्षा का संकल्प

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावर।

मनोज खंडेलवाल । मंडावर में भीषण गर्मी के तीखे तेवरों के बीच जहां आम जनजीवन हलकान है, वहीं मंडावर के अग्रवाल सम्मेलन की महिलाओं ने बेजुबान पक्षियों के दर्द को समझते हुए संवेदनशीलता की एक नई मिसाल पेश की है। अग्रवाल सम्मेलन मंडावर के महिला मंडल द्वारा उपखंड मुख्यालय स्थित निर्गुण दरबार मंदिर परिसर में महिला अध्यक्षा सुनीता सिंहल के नेतृत्व में पक्षियों के लिए परिंडे लगाने का विशेष सेवा प्रकल्प आयोजित किया गया। सूर्यदेव की तपिश और बढ़ते तापमान के बीच पक्षियों के गले तर करने के उद्देश्य से शुरू की गई इस मुहिम में संगठन की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई। सम्मेलन प्रवक्ता मुकेश कुमार सिंदूकी ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि चिलचिलाती धूप में बेजुबान पक्षियों के लिए पानी की बूंद-बूंद अमृत के समान है। ऐसे में यह छोटी सी मानवीय पहल पक्षियों के अस्तित्व को बचाने में एक महत्वपूर्ण कड़ी साबित होगी। इस पुनीत कार्य के दौरान महिला मंडल ने केवल परिंडे ही नहीं बांधे, बल्कि जीव-दया के संकल्प को दोहराते हुए पक्षियों के लिए दाना-पानी और नियमित देखरेख की जिम्मेदारी भी अपने कंधों पर ली है। महिला अध्यक्षा सुनीता सिंहल ने इस मौके पर कहा कि प्रकृति की रक्षा और जीव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। इस सेवा कार्य के दौरान पंचायत समिति सदस्य पूजा गोयल, संगठन की महिला महामंत्री हेमा सिंहल, कल्पना गर्ग, वंदना सिंहल, आशा मित्तल, सुनीता गोयल, रेखा गोयल, ममता गोयल और मीनू मंगल सहित समाज की अनेक प्रबुद्ध महिलाएं मौजूद रहीं।

टोडी वाले बालाजी मेले की क्रिकेट प्रतियोगिता में दलेलपुरा बनी विजेता

भीम प्रज्ञा न्यूज.उदयपुरवाटी।

निकटवर्ती दीपपुरा, ककराना और नेवरी गांवों की सीमा पर स्थित टोडी वाले बालाजी मंदिर में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता का समापन गुरुवार को मेले के अवसर पर उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ। प्रतियोगिता के समापन समारोह में बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमियों और ग्रामीणों ने भाग लिया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि कांग्रेस नेता दिनेश ओलखा रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता मंदिर पुजारी निक्कू दास महाराज ने की। कांग्रेस नेता श्यामलाल कटारिया विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहें। प्रतियोगिता में कुल 20 टीमों ने हिस्सा लिया। फाइनल मुकाबला दिलवाले ककराना और दलेलपुरा टीम के बीच खेला गया। रोमांचक मुकाबले में दलेलपुरा की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दिलवाले ककराना को 23 रन से हराकर खिताब अपने नाम किया। मैच के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने मंदिर में पहुंचकर बालाजी महाराज के दर्शन किए।प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी आर्यन को मैन ऑफ द सीरीज चुना गया। समारोह के दौरान अतिथियों ने विजेता टीम दलेलपुरा को 7100 रुपए नकद एवं ट्रॉफी तथा उपविजेता टीम दिलवाले ककराना को 5100 रुपए नकद एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

आयोजकों ने सभी खिलाड़ियों, टीमों एवं सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए विजेता एवं उपविजेता टीमों को शुभकामनाएं दीं। प्रतियोगिता के समापन के बाद लोगों ने मेले का आनंद लिया। इस अवसर पर रघुवीर सैनी, अमन सैनी, जोरावर सिंह, अमित सेन, कृष्णा गुर्जर, भरत सिंह, निलेश कटारिया, विक्रम सैनी, अजय कटारिया, मालाराम, सुबोध कुमार, गंगा सहाय सैनी सहित बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी उपस्थित रहे।

तम्बाकू मुक्त भारत अभियान में उत्कृष्ट योगदान पर कमलेश तेतरवाल को नेशनल अवार्ड

12 मई को मुंबई में होंगे सम्मानित, राजस्थान से एकमात्र चयनित व्यक्तित्व

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । जिला शिक्षा अधिकारी एवं प्रधानाचार्य डाइट प्रतापगढ़ कमलेश कुमार तेतरवाल का चयन प्रतिष्ठित 'टोबैको फ्री इंडिया अवार्ड 2025' के लिए किया गया है। यह सम्मान उन्हें तम्बाकू मुक्त भारत अभियान में लंबे समय से किए जा रहे उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया जाएगा। नरोत्तम शेखसरिया फाउंडेशन द्वारा 12 मई 2026 को मुंबई स्थित यशवंतराव चौहान सेंटर में आयोजित समारोह में तेतरवाल को 25 हजार रुपये का चैक एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। गौरतलब है कि इस वर्ष पूरे देश से केवल छह व्यक्तियों एवं चार संस्थाओं का चयन इस राष्ट्रीय सम्मान के लिए किया गया है। इनमें राजस्थान से कमलेश कुमार तेतरवाल एकमात्र चयनित व्यक्ति हैं, जो प्रदेश के लिए गौरव का विषय माना जा रहा है। तेतरवाल पिछले करीब 20 वर्षों से धूम्रपान एवं तम्बाकू जनित उत्पादों के खिलाफ जनजागरूकता अभियान चला रहे हैं। उन्होंने विशेष रूप से झुंझुनूं, चूरू, सीकर एवं प्रतापगढ़ जिलों सहित प्रदेशभर में शिक्षण संस्थानों को तम्बाकू मुक्त एवं धूम्रपान निषेध क्षेत्र बनाने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। उनके प्रयासों से अनेक विद्यालयों और शैक्षणिक परिसरों में जागरूकता का वातावरण बना तथा युवाओं को तम्बाकू सेवन से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया। तेतरवाल ने अपने कार्यकाल के दौरान विभिन्न प्रशासनिक अधिकारियों एवं शिक्षा विभाग के सहयोग से इस अभियान को जनआंदोलन का रूप देने का प्रयास किया। जिन अधिकारियों के सानिध्य में उन्होंने यह कार्य किया, उनमें आईएएस आरुषि मलिक, आईएएस रवि जैन, आईएएस सिद्धार्थ सिहाग, आईएएस नथमल डिडेल, सेवानिवृत्त आईएएस दिनेश यादव, सेवानिवृत्त आईएएस प्रदीप बोर्ड, सेवानिवृत्त आईएएस एसएस सोहता, पूर्व कलेक्टर प्रतापगढ़ अंजलि राजोरिया, कलेक्टर प्रतापगढ़ शुभम चौधरी, संयुक्त निदेशक एवं स्टेट नोडल ऑफिसर नेशनल टोबैको कंट्रोल सेल एस.एन. धौलपुरिया तथा एसआरकेपीएस के अध्यक्ष राजन चौधरी प्रमुख हैं। सभी अधिकारियों एवं शिक्षाविदों ने कमलेश कुमार तेतरवाल को इस राष्ट्रीय उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

रथ यात्रा पहुंची रायपुर अहीरान, सामाजिक कार्यकर्ता कुलदीप सेन ने दिए जनहित से जुड़े सुझाव

भीम प्रज्ञा न्यूज.पचेरी।

सरकार द्वारा चलाई जा रही रथ यात्रा के ग्राम पंचायत रायपुर अहीरान पहुंचने पर ग्रामीणों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। इस दौरान सामाजिक कार्यकर्ता कुलदीप कुमार सेन ने सुझाव पेटिका में जनहित से जुड़े अपने सुझाव दर्ज कराए।उन्होंने बताया कि उनके सुझाव आम जनता की समस्याओं एवं सुविधाओं को ध्यान में रखकर दिए गए हैं। यदि इन सुझावों को लागू किया जाता है तो इससे ग्रामीणों एवं आम नागरिकों को काफी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाएं जनता के लिए लाभदायक साबित हो रही हैं और लोग इनका फायदा भी उठा रहे हैं। कुलदीप कुमार सेन ने सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की सराहना करते हुए भारतीय जनता पार्टी के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सरकार आमजन की समस्याओं को सुनने और समाधान के लिए लगातार प्रयास कर रही है, जिससे लोगों का विश्वास मजबूत हो रहा है। रथ यात्रा के दौरान ग्रामीणों ने भी योजनाओं की जानकारी प्राप्त की तथा अपनी समस्याओं और सुझावों को अधिकारियों के समक्ष रखा।

सफाई कार्य से जुड़े वंचित पात्र व्यक्ति 13 मई तक करवाएं अपना पंजीकरण: डॉ. निर्मल नागर

मशीनी सफाई और सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर होगी सख्त कार्रवाई, 13 मई पंजीकरण की अंतिम तिथि निर्धारित

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. निर्मल नागर ने बताया कि जिले के विकास और स्वच्छता में योगदान देने वाले हर व्यक्ति की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि यदि जिले में अभी भी कोई ऐसा व्यक्ति शेष है, जो पूर्व में कभी हाथ से मैला ढोने या असुरक्षित सफाई कार्य में लगा था, तो वह आगामी 13 मई 2026 तक जिला परिषद कार्यालय में अपना पंजीकरण अनिवार्य रूप से करवा ले।उन्होंने बताया कि यह पंजीकरण प्रक्रिया सरकार की पुनर्वास योजनाओं और मुख्यधारा से जोड़ने के प्रयासों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। 13 मई तक प्राप्त आवेदनों के आधार पर ही पात्र व्यक्तियों को कौशल विकास प्रशिक्षण, स्वरोजगार के लिए सहायता और अन्य विभागीय लाभ प्रदान किए जाएंगे, ताकि वे एक गरिमापूर्ण जीवन व्यतीत कर सकें। डॉ. नागर ने स्पष्ट किया कि माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेशों और केंद्र सरकार के अधिनियमों के तहत जिले में किसी भी व्यक्ति द्वारा सीवर या सेप्टिक टैंक की मैनुअल सफाई करवाना पूरी तरह प्रतिबंधित है। अब सफाई का समस्त कार्य मशीनीकृत तरीके से ही किया जाना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि सफाई के दौरान किसी भी कर्मचारी का बिना सुरक्षा उपकरणों के टैंक में उतरना एक गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है और इसका उल्लंघन करने वाले ठेकेदारों या संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कदम उठाए जाएंगे। प्रशासन का लक्ष्य स्वच्छता कार्यों में होने वाले जोखिम को पूरी तरह समाप्त करना है, जिसके लिए इमरजेंसी रिस्पांस सैनिटेशन यूनिट को भी सक्रिय रखा गया है ताकि किसी भी आपात स्थिति में केवल प्रशिक्षित विशेषज्ञ ही मशीनों की सहायता से कार्य का संपादन करें। मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि जिले में सीवर सफाई के लिए केवल वही सर्विस प्रोवाइडर मान्य होंगे जिन्होंने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में अपना पंजीकरण कराया है और जिनके पास लाइसेंसशुदा मशीनें व सुरक्षा उपकरण उपलब्ध हैं। उन्होंने सभी ग्राम पंचायतों और स्थानीय निकायों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने क्षेत्रों में 13 मई की समय सीमा के बारे में व्यापक मुनादी करवाएं ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति पंजीकरण से वंचित न रहे।

डॉ. निर्मल नागर ने जानकारी दी कि इन स्वच्छता योद्धाओं के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति और परिवारों के सामाजिक सुरक्षा के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। सरकार की मंशा है कि इस अमानवीय प्रथा को जड़ से मिटाकर तकनीक आधारित सुरक्षित सफाई व्यवस्था को पूर्ण रूप से लागू किया जाए। आमजन से अपील करते हुए डॉ. निर्मल नागर ने कहा कि नागरिक अपने घरों के टैंकों की सफाई के लिए केवल अधिकृत मशीनी टैंकों की ही सेवाएं लें और किसी भी व्यक्ति को खतरे में न डालें। उन्होंने जोर दिया कि स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के साथ-साथ सफाई कर्मियों के जीवन की रक्षा करना हम सबकी सामूहिक नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि जिला प्रशासन नियमों के सख्त पालन और आधुनिक उपकरणों के प्रयोग से जिले को सुरक्षित सफाई के मामले में एक आदर्श जिला बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। 13 मई तक पंजीकरण की इस मुहिम में सभी हितधारकों का सहयोग अपेक्षित है ताकि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को उसका हक और सुरक्षा मिल सके।

कर्मचारी नेता महरिया के प्रदेश मंत्री निर्वाचित होने पर अंबेडकर मंच करेगा 10 को अभिनंदन

भीम प्रज्ञा न्यूज.लक्ष्मणगढ़।

निकटवर्ती दन्तुजला गांव निवासी कर्मचारी नेता हरलाल महरिया के राजस्थान प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेश स्तरीय चुनाव में निर्विरोध प्रदेश मंत्री निर्वाचित होने पर स्थानीय अंबेडकर भवन में दिनांक 10 मई रविवार को प्रातः 10:15 बजे अंबेडकर विचार मंच के तत्वावधान में महरिया का नागरिक अभिनंदन समारोह आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए अंबेडकर विचार मंच समिति के तहसील अध्यक्ष भागीरथमल फदनपुरा ने बताया की हरलाल महरिया मंच के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष के पद पर भी सामाजिक सेवा में सक्रिय हैं। उल्लेखनीय है की महरिया वरिष्ठ अध्यापक के पद पर सेवारत हैं।

बेटी रिशीका के जन्मदिन पर व्याख्याता राजकुमार ने अलसीसर गोशाला में दिया 20 मण गेहूं का तूड़ा

भीम प्रज्ञा न्यूज.अलसीसर।

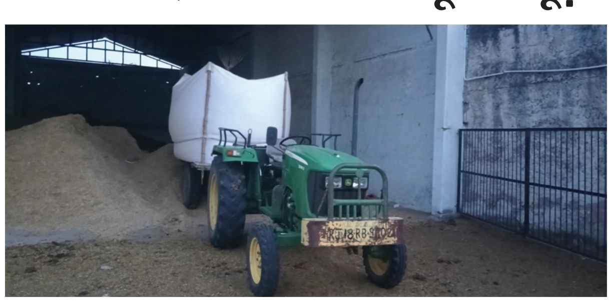

गो सेवा एवं सामाजिक सरोकार की प्रेरणादायी मिसाल पेश करते हुए राजकुमार ने अपनी पुत्री रिशीका के जन्मदिन के अवसर पर अलसीसर गोशाला में गायों के लिए 20 मण गेहूं का तूड़ा भेंट किया। राजकुमार, श्री छिन्नूराम के पुत्र एवं फ्रांस का वास निवासी हैं तथा वर्तमान में प्रतापगढ़ में इतिहास व्याख्याता के पद पर कार्यरत हैं। इस अवसर पर राजकुमार ने कहा कि निस्वार्थ भाव से प्राणियों की सेवा करना पुण्य का कार्य है। गो सेवा से आत्मिक संतोष प्राप्त होता है और समाज में सेवा भावना को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने बताया कि वे प्रत्येक वर्ष अपनी बेटी रिशीका के जन्मदिन पर गोशाला में सहयोग करते हैं, ताकि बच्चों में भी सेवा और संस्कारों की भावना विकसित हो सकें। अलसीसर गोशाला समिति के सदस्यों ने इस सहयोग के लिए राजकुमार एवं उनकी पुत्री रिशीका का आभार व्यक्त करते हुए जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। समिति ने कहा कि इस प्रकार के कार्य समाज को प्रेरणा देने वाले हैं तथा गो सेवा की परंपरा को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।गोशाला समिति के सदस्यों ने कहा कि सामाजिक सहयोग और सेवा भाव से ही गौ संरक्षण जैसे कार्यों को मजबूती मिलती है तथा ऐसे प्रेरणादायी प्रयासों से अन्य लोगों को भी समाजसेवा के लिए प्रेरणा मिलती है।

बागवानी विशेषज्ञों ने किया बागों का दौरा, किसानों को दी तकनीकी जानकारी

नींबू वर्गीय पौधों में देसी फुटाव को तुरंत हटाए, पोषक तत्वों के लिए मई जून में करें यूरिया व जिंक का छिड़काव

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

जिला बागवानी अधिकारी डॉ. प्रेम कुमार ने गांव मुंडिया खेड़ा, सुन्दरह, गुवानी व मांदी में किसानों के बागों की विजिट कर तकनीकी सुझाव प्रदान किए। इस मौके पर क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र बावल से फल विशेषज्ञ डॉ मुकेश व क्षेत्रीय निदेशक डॉ धर्मवीर यादव ने किसानों को बागों से संबंधित तकनीकी जानकारी प्रदान की। जिला बागवानी अधिकारी डॉ. प्रेम कुमार ने किसानों को जागरूक करते हुए निम्बू वर्गीय फलों के पौधो में देसी फुटाव को तुरन्त तोड़ने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि अगर हम देसी फुटाव को समय पर नहीं तोड़ते हैं तो मूल पौधे की जगह देसी पौधे की ज्यादा बढ़वार हो जाएगी। इससे फल की गुणवत्ता पर प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने किसानों को सलाह दी कि निम्बू वर्गीय पौधो में मई-जून माह में 10 ग्राम यूरिया तथा 5 ग्राम जिंक (21 प्रतिशत) प्रति लीटर पानी में घोल बना कर 15 से 20 दिन के अंतराल पर छिड़काव करने से पोषक तत्वों की पूर्ति होने के साथ-साथ फल गिरने की समस्या व लू से भी पौधों का बचाव होगा। उन्होंने कहा कि जिन किसानों ने बेर का बाग लगा रखा है वो कटाई-छटाई इस माह में कर सकते हैं। खजूर के बाग में जमीन के साथ आए हुए अतिरिक्त फुटाव को हटाने व सभी बागों में हल्की सिंचाई करते रहने के बारे में सूझाव दिया ताकि गर्मी के मौसम में नमी बनी रहे। इस अवसर पर किसानों को सूझाव दिया कि गर्मी व सर्दी से बागों को बचाने के लिए खेत के चारों तरफ वायूरोधक पौधे लगाएं ताकि खेत का वातावरण व तापमान संतुलित रहे एवं तेज हवा से फल व फूल गिरने की समस्या से छुटकारा मिल सके। इस मौके पर फल विशेषज्ञ डॉ मुकेश ने फलदार पोधौ के प्रबंधन के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि नए फल वृक्षों को ढ़क कर लू से बचाया जा सकता है। तने के निचले हिस्से पर बोर्डो पेस्ट (2 किलो ग्राम नीला थोथा, 3 किलो ग्राम बुझा चूना 30 लीटर पानी) लगाएं।

बागों में खरपतवार नियंत्रण एवं नमी संरक्षण के लिए मलचिंग का उपयोग करना चाहिएं। बेर के बाग में छंटाई 15 मई से 15 जून के मध्य करके पेड़ों पर बोर्डो पेस्ट लगाए। नये बाग लगाने वाले किसान मिट्टी पानी की जांच करवाने उपरान्त खेत तैयार करके उचित दूरी पर तीन फीट चौड़े व तीन फीट गहरे गढे खोद कर खुले छोड़े उसके बाद गली-सडी गोबर की खाद व दो किलो ग्राम सिंगल सुपर फास्फेट को अच्छी तरह से मिलाकर भरें। क्षेत्रीय निदेशक डॉ धर्मवीर यादव ने बताया कि इस केन्द्र का मुख्य उद्देश्य अर्ध शुष्क हरियाणा के किसानों की समस्याओं को सुनना व उनका वैज्ञानिक तरीके से निदान करना है जिससे इस क्षेत्र के किसानों को वातावरण व जलवायू के अनुसार फल व सब्जियों का उत्पादन करके अच्छा मुनाफा कमा सकें। समय समय पर विषेशज्ञ किसानों के खेत में जाकर समस्याओं को समझ कर उसका उचित निदान करते हैं। इस अवसर पर उद्यान विकास अधिकारी डॉ राहुल कुमार, डॉ सांवरमल चौधरी भी मौजूद थे।

रैफल्स विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर एफडीपी का समापन, शोध व नवाचार पर जोर

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । रैफल्स विश्वविद्यालय, नीमराना में गुरुवार को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसी के साथ 4 मई से 8 मई तक चले साप्ताहिक फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम 'एडवांस्ड रिसर्च मेथडोलॉजी एंड टूल्स' का समापन सत्र भी संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सुश्री पूजा सैनी की परिचय प्रस्तुति और मुख्य अतिथि, गणमान्य अतिथियों एवं एफडीपी समिति द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। कुलपति प्रो. डॉ. राजेन्द्र सिंह सांगवान ने स्वागत उद्बोधन में उच्च शिक्षा में शोध उत्कृष्टता, नवाचार और तकनीकी प्रगति को समय की मांग बताया तथा शिक्षकों से नई शोध पद्धतियों को अपनाने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि डॉ. ओ.पी. डांगी ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को तकनीकी आत्मनिर्भरता के लिए प्रेरित किया और देश की प्रगति में तकनीक व शोध की भूमिका को अहम बताया। विशिष्ट अतिथि प्रो. गुरेन्द्र नाथ भारद्वाज ने शोध, नवाचार तथा तकनीकी विकास में शिक्षकों एवं शोधार्थियों की जिम्मेदारी रेखांकित की। समापन सत्र में डॉ. ओ.पी. डांगी एवं कुलपति प्रो. राजेन्द्र सिंह सांगवान ने एफडीपी के प्रतिभागियों और आयोजन समिति के सदस्यों को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया। प्रतिभागी संकाय सदस्यों ने इस ज्ञानवर्धक एफडीपी की सराहना करते हुए कहा कि इससे उन्हें शोध की आधुनिक तकनीकों को समझने का अवसर मिला। कार्यक्रम का समापन डॉ. मंजू लता के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें उन्होंने मुख्य अतिथि, विश्वविद्यालय प्रशासन, आयोजन समिति, तकनीकी टीम व सभी प्रतिभागियों का आभार जताया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ गरिमामय रूप से हुआ।

ऑपरेशन सिंदूर के वीर शहीद सुरेन्द्र मोगा को श्रद्धांजलि: 10 मई को होगा प्रतिमा का भव्य अनावरण

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । देश की रक्षा करते हुए ऑपरेशन सिंदूर में वीरगति प्राप्त करने वाले वीर शहीद सुरेन्द्र मोगा की प्रतिमा का भव्य अनावरण समारोह 10 मई को आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन क्षेत्र के लिए गर्व, सम्मान और देशभक्ति का प्रतीक माना जा रहा है। समारोह को लेकर क्षेत्रभर में उत्साह का माहौल है तथा तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं।कार्यक्रम सैनिक कल्याण सलाहकार समिति के अध्यक्ष प्रेम सिंह बाजोर की अध्यक्षता में आयोजित होगा। राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत मुख्य अतिथि के रूप में समारोह में शामिल होंगे।समारोह में अनेक जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक विशेष रूप से मौजूद रहेंगे। सुधीर ढाका,पूर्व सरपंच संघ जिलाध्यक्ष सजन पुनिया ने बताया कि विशिष्ट अतिथियों में सांसद विजेन्द्र सिंह ओला, पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र सिंह राठौड़, पूर्व सांसद संतोष अहलावत, पूर्व सांसद नरेन्द्र खीचड़, चूरू विधायक हरलाल सहारण, खेतड़ी विधायक धर्मपाल गुर्जर, झुंझुनूं विधायक राजेन्द्र भामू, नवलगढ़ विधायक विक्रम सिंह जाखल, भाजपा जिला अध्यक्ष हर्षिणी कुलहरी, वरिष्ठ भाजपा नेता दिनेश ढाबाई तथा भाजपा राष्ट्रीय परिषद सदस्य विसम्भर पूनिया शामिल रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान वीर शहीद सुरेन्द्र मोगा के अदम्य साहस, वीरता और राष्ट्रसेवा को नमन करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। समारोह में बड़ी संख्या में ग्रामीण, सैनिक परिवार, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि एवं क्षेत्रवासी भाग लेंगे।

शहीद की पत्नी वीरांगना सीमा देवी ने झुंझुनूं एवं आसपास के क्षेत्रों के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में पहुंचकर शहीद सुरेन्द्र मोगा को श्रद्धांजलि अर्पित करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों का सम्मान करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। प्रतिमा अनावरण समारोह के दौरान देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा। पूरे क्षेत्र में कार्यक्रम को लेकर देशभक्ति और सम्मान का वातावरण बना हुआ है।

डालमिया विद्या मंदिर में 'एक मिनट भाषण' प्रतियोगिता का आयोजन, विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

डालमिया विद्या मंदिर में विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 'एक मिनट भाषण' प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा 6 से 9 एवं 11वीं के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी वाक्-कला, आत्मविश्वास और रचनात्मकता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता का विषय 'यदि मैं... होता/होती, तो...' रखा गया, जिस पर विद्यार्थियों ने अपनी कल्पनाशीलता और विचारों को मंच पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। प्रत्येक प्रतिभागी को दो मिनट का समय दिया गया, जिसमें उन्होंने बिना रुके अपने विचार व्यक्त किए। निर्णायकों ने प्रतिभागियों का मूल्यांकन विषय-वस्तु, विचारों की निरंतरता, आत्मविश्वास एवं अभिव्यक्ति शैली के आधार पर किया। विद्यालय के प्राचार्य शक्ति सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धात्मक दौर में केवल शैक्षणिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि प्रभावी संवाद कौशल भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को ऐसे आयोजनों में बढ़-चढ़कर भाग लेने और अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका नमिता चौधरी ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ-साथ उनके व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को मंच पर निर्भीक होकर अपने विचार रखने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता के परिणामों में कक्षा 6 से हृद्या (6सी) एवं परीक्षित (6ए) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कक्षा 7 में भाव्या (7बी) एवं लक्ष्य यादव (7सी) प्रथम रहे। कक्षा 8 से इशिका (8ए) ने प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं कक्षा 9 में लक्ष्य (9बी) एवं हिमांशु (9ए) प्रथम स्थान पर रहे। कक्षा 11 से कनक कुल्हार (11ए) ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया तथा सभी प्रतिभागियों को उनके प्रयासों के लिए प्रोत्साहित किया गया। विद्यालय परिवार ने इसे शैक्षिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों के समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

पूर्व प्रधानाचार्य सूरजपाल बाकोलिया को भावभीनी श्रद्धांजलि, पुण्यतिथि पर किया स्मरण

भीम प्रज्ञा न्यूज.मंडावा।

पवन कुमार शर्मा । कस्बे के वार्ड 17 स्थित बाल भारती विद्या निकेतन विद्यालय में विद्यालय के पूर्व प्रधानाचार्य स्वर्गीय सूरजपाल बाकोलिया की 5वीं पुण्यतिथि श्रद्धा एवं भावनात्मक माहौल में मनाई गई। इस दौरान विद्यालय परिवार ने उन्हें पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में शाला निदेशक राजेन्द्र सनोदिया ने कहा कि स्वर्गीय बाकोलिया महान व्यक्तित्व एवं उच्च विचारों के धनी थे। उन्होंने सामाजिक एवं शैक्षिक गतिविधियों में सदैव बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा विद्यालय को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने बताया कि बाकोलिया द्वारा लिखे गए गीत एवं मारवाड़ी धमाल आज भी लोगों द्वारा बड़े चाव से गाए जाते हैं। कोरोना काल में उनके असामयिक निधन को समाज और शिक्षा जगत के लिए अपूरणीय क्षति बताया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने उन्हें अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में प्रमोद कुमार, अशोक कुमार, नेहा सनोदिया, पल्लवी मिश्रा, उमा पाराशर, निलेश सनोदिया, निशा सैनी, पायल छापोला, कल्पना चावला, राकेश सनोदिया, उषा सैनी एवं राकेश मीणा सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

शाहजहांपुर पत्थर मार्केट से हटा अतिक्रमण, बर्डोद सड़क चौड़ीकरण का रास्ता साफ

पुलिस-प्रशासन की संयुक्त कार्रवाई, विभाग बोला- जल्द शुरू होगा निर्माण कार्य

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । शाहजहांपुर की पत्थर मार्केट में पुलिस प्रशासन के सहयोग से अतिक्रमण हटाने की बड़ी कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई के बाद बर्डोद-शाहजहांपुर सड़क के चौड़ीकरण और निर्माण कार्य का रास्ता साफ हो गया है। लंबे समय से अतिक्रमण के कारण रुका हुआ यह महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट अब गति पकड़ सकेगा, जिससे क्षेत्र के हजारों लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। प्रशासन द्वारा की गई इस कार्रवाई में पत्थर मार्केट क्षेत्र में सड़क किनारे किए गए अस्थायी और स्थायी अतिक्रमण को हटाया गया। जेसीबी मशीनों की मदद से दुकानों के बाहर बने चबूतरे, टीन-शेड और अवैध निर्माण को ध्वस्त किया गया। कार्रवाई के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी पुलिस बल तैनात रहा। अधिकारियों ने बताया कि सड़क चौड़ीकरण के लिए यह कार्रवाई बेहद जरूरी थी, क्योंकि अतिक्रमण के कारण आए दिन जाम की स्थिति बनती थी और दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया था। संबंधित विभाग के अधिकारियों ने जानकारी दी कि अतिक्रमण हटने के बाद अब सड़क चौड़ीकरण और निर्माण कार्य जल्द शुरू किया जाएगा। विभाग का कहना है कि टेंडर प्रक्रिया पहले ही पूरी हो चुकी है और कार्यादेश जारी कर दिया गया है। बर्डोद-शाहजहांपुर मार्ग क्षेत्र की लाइफलाइन माना जाता है। इस सड़क के चौड़ी होने से न केवल शाहजहांपुर बल्कि आसपास के दर्जनों गांवों के लोगों को आवागमन में सुविधा होगी। साथ ही क्षेत्र में व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। स्थानीय लोगों ने प्रशासन की इस कार्रवाई का स्वागत किया है। उनका कहना है कि संकरी सड़क के कारण उन्हें रोजाना जाम और हादसों का सामना करना पड़ता था। अब सड़क चौड़ी होने से समय की बचत होगी और सफर सुरक्षित होगा। प्रशासन ने अतिक्रमणकारियों को चेतावनी दी है कि दोबारा अतिक्रमण करने पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

नीमराना में आयोजित मेगा कृषि आउटरीच कार्यक्रम में किसानों को मिली योजनाओं की जानकारी

पीएनबी कृषक प्रशिक्षण केंद्र में जुटे सैकड़ों किसान, मौके पर सौंपे गए ऋण स्वीकृति पत्र

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । पंजाब नेशनल कृषक प्रशिक्षण केंद्र में अलवर मंडल द्वारा कृषक प्रशिक्षण केंद्र, नीमराना में मेगा कृषि आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का पर्यवेक्षण महाप्रबंधक अश्विनी कुमार सिंह ने किया, जबकि कार्यक्रम का निर्देशन मंडल प्रमुख श्वेतांक कुमार के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में किसानों को बैंक की विभिन्न वित्तीय एवं कृषि योजनाओं के तहत मिलने वाले लाभों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि नीमराना इंडस्ट्रीज एसोसिएशन अध्यक्ष कृष्ण गोपाल कौशिक ने कहा कि उद्योग और कृषि दोनों देश की अर्थव्यवस्था के मजबूत स्तंभ हैं तथा दोनों के समन्वित विकास से क्षेत्र की प्रगति संभव है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जल कृषि एवं उद्योग की सबसे बड़ी आवश्यकता है और नहर परियोजना को क्षेत्र तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इस अवसर पर कोटपूतली-बहरोड़ जिले के सैकड़ों महिला एवं पुरुष किसान, स्वयं सहायता समूहों के सदस्य, शाखा प्रबंधक एवं कृषि अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में

कृषि विभाग के सहायक निदेशक सौरभ गर्ग तथा नाबार्ड के डीडीएम दीपक जाखड़ हमीरपुर शाखा प्रबन्धक शेरसिंह डहनवाल भी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। कृषक प्रशिक्षण केंद्र के निदेशक कैलाश महरिया के संयोजन में खाद, बीज एवं उर्वरक एजेंसियों द्वारा स्टॉल लगाए गए। बैंक अधिकारियों ने किसानों को कृषि ऋण योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्र ग्राहकों को मौके पर ऋण स्वीकृति पत्र भी वितरित किए। कार्यक्रम के दौरान महाप्रबंधक अश्विनी कुमार सिंह ने वेबेक्स के माध्यम से अलवर मंडल के सभी शाखा प्रमुखों एवं बैंक स्टाफ को बैंक व्यवसाय और विभिन्न योजनाओं पर प्रस्तुति देकर संबोधित किया। वहीं मंडल की विभिन्न शाखाओं द्वारा करोड़ों रुपये की संभावित बैंकिंग लीड्स भी सोर्स की गईं।

बच्चों को बताए मौलिक अधिकार, नि:शुल्क कानूनी सहायता योजनाओं से किया जागरूक

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । विधिक सेवा प्राधिकरण कोटपूतली-बहरोड़ के सानिध्य में शुक्रवार 8 मई को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बेलनी में विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पैरा लीगल वालंटियर सुनील कुमार ने स्कूली बच्चों को नालसा की विभिन्न कानूनी सहायता योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने 'नालसा बच्चों और उनके संरक्षण के लिए बाल मैत्रीपूर्ण कानूनी सेवाएं योजना 2015' एवं 'नालसा गरीबी के प्रभावी कार्यान्वयन से संबंधित कानूनी जागरूकता कार्यक्रम 2015' के तहत बच्चों और जरूरतमंद वर्गों को मिलने वाले अधिकारों एवं सुविधाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि भारतीय संविधान प्रत्येक बच्चे को समानता का अधिकार, स्वतंत्रता का अधिकार, शोषण के विरुद्ध अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार, संस्कृति एवं शिक्षा का अधिकार तथा संवैधानिक उपचारों का अधिकार प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि समाज में राजनीतिक, आर्थिक एवं सामाजिक समानता स्थापित करना आवश्यक है तथा बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा करना हम सभी की जिम्मेदारी है। साथ ही उन्होंने गरीब एवं

जरूरतमंद लोगों के लिए उपलब्ध नि:शुल्क कानूनी सहायता योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि जिन लोगों के पास शिक्षा, रोजगार एवं आर्थिक संसाधनों की कमी होती है, उनके लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सहायता उपलब्ध कराता है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को कानून के प्रति जागरूक रहने, अपने अधिकारों को समझने तथा आवश्यकता पड़ने पर नि:शुल्क विधिक सहायता लेने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रिंसिपल जसवंत यादव, वाइस प्रिंसिपल संजय यादव, वरिष्ठ अध्यापक सुरेश यादव, राजेंद्र यादव (शारीरिक शिक्षक), जितेंद्र, संजय यादव (व्याख्याता) सहित प्रीत यादव, गौरव यादव, अमन, रितिक, निशा, रक्षिता, शिवानी, निशु एवं अन्य छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

ग्रीष्म अवकाश कटौती वापस लेने के लिए शिक्षक संघ सियाराम द्वारा किया गया सद्बुद्धि यज्ञ एवं हनुमान चालीसा का पाठ

भीम प्रज्ञा न्यूज.झुंझुनूं।

राजस्थान शिक्षक संघ सियाराम जिला झुंझुनू के माध्यम से आज ग्रीष्मकालीन अवकाश में कटौती एवं संस्था प्रधान अधिकृत अवकाश में कटौती के विरोध में जिला कलेक्टर कार्यालय झुंझुनू के सामने सद्बुद्धि यज्ञ व हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया जिसमें 108 आहुतियां दी गई । विभिन्न देवी देवताओं का आह्वान किया और शिक्षा मंत्री को सद्बुद्धि प्रदान करने के लिए प्रार्थना की गई। राजस्थान शिक्षक संघ सियाराम के प्रदेश मुख्य महामंत्री उम्मेद सिंह डूडी ने बताया कि इस सत्र के शिविरा पंचांग में ग्रीष्मकालीन अवकाश में 10 दिन एवं संस्था प्रधान अधिकृत अवकाश में एक दिन की कटौती की गई है ।इन अवकाशों के बदले शिक्षकों को किसी भी प्रकार का वित्तीय लाभ या उपार्जित अवकाश भी नहीं दिया गया है जो कि शिक्षकों के साथ खिलवाड़ है । इन अवकाशों को वापस लेने के लिए राजस्थान शिक्षक संघ सियाराम ने चरणबद्ध आंदोलन की शुरुआत की जिसके तहत विद्यालयों में काली पट्टी बांधकर कार्य कर विरोधी प्रदर्शन,उपखंड स्तर पर उपखंड अधिकारी को मुख्यमंत्री महोदय के नाम ज्ञापन देने ,जिला कलेक्टर महोदय को मुख्यमंत्री महोदय के नामज्ञापन देने के कार्य किए गए। इसी क्रम में आज 8 मई को जिला कलेक्टर कार्यालय के सामने सद्बुद्धि यज्ञ व हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया ।यदि अभी भी शिक्षा मंत्री अपनी हठधर्मिता नहीं छोड़कर अवकाश कटौती वापस नहीं लेते हैं तो अगले चरण में 18 मई को रामगंज मंडी कोटा जो कि शिक्षा मंत्री महोदय का विधानसभा क्षेत्र है ,में पूरे राजस्थान भर के शिक्षकों द्वारा विशाल रैली निकालकर प्रदर्शन किया जाएगा । इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष सुबेन्द्र बिजारणिया, प्रदेश विशेष आमंत्रित सदस्य महेंद्र सिंह पूनियां ,प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य महेश सैनी, जिला अध्यक्ष अशोक कुलहरी, जिला मंत्री सुदेश यादव ,ब्लॉक अध्यक्ष झुंझुनू रतिराम धींवा, अलसीसर ब्लॉक अध्यक्ष संदीप पायल, चिड़ावा ब्लॉक अध्यक्ष अमित बराला, मुकेश कुमार शर्मा ब्लॉक अध्यक्ष सिंघाना, झुंझुनू ब्लॉक मंत्री विकास बुडानिया, सत्यवीर बराला, राजेश झाझड़िया, संजय कुमार मीणा, सुरेंद्र मीणा, विजेंद्र कुमार झाझड़िया,सुभाष डैला ,राम सिंह राहड़, राजेंद्र बिजारणिया , सुरेंद्र कुमार, रमेश पूनिया, विनोद भड़िया,संजीव बेनीवाल, राम सिंह कुल्हरी, संजीव कड़वासरा, जय सिंह सैनी, सत्य कुमार शर्मा, संजीव शर्मा,धर्मवीर बलौदा, निरंजन लाल शर्मा, सरोज धायल, पारुल, प्रमिला, लीलाधर चाहर, राजवीर कुमावत, अंकित कुमार ,रवि वर्मा, राजकुमार पातुसरी, बीरबल सिंह, राकेश कुमार जीणी, रवि खन्ना, सुरेश जांगिड़, केसर देव, अव्वल सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, शिक्षिकाएं एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सरपंच सुनील बराला की 5वीं पुण्यतिथि पर ग्रामवासियों ने दी भावपूर्ण श्रद्धांजलि

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

पूर्व सरपंच स्वर्गीय सुनील कुमार की 5वीं पुण्यतिथि के अवसर पर शुक्रवार को झांझोत स्टैंड स्थित गगनदीप होटल में ग्रामवासियों द्वारा एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया और स्वर्गीय सरपंच सुनील बर को श्रद्धासुमन अर्पित किए। लोगों ने उनके द्वारा ग्राम विकास के लिए किए गए कार्यों को याद किया और उनके योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। स्वर्गीय सुनील कुमार गांव के लोकप्रिय सरपंच थे, जिन्होंने अपने कार्यकाल में

ग्रामवासियों की समस्याओं को दूर करने और विकास कार्यों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनकी अकाल मृत्यु पूरे क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति रही। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में सुमन सुनील कुमार (सरपंच) नरेश बराला ,सुमित बराला, रणवीर बुडानिया, राजेंद्र बराला ,युवा नेता सुरेश भूकर, अरविन्द ओला ,राजेंद्र लोधीपुरा ,रामसिंह बराला, मोहरसिंह ,नरेश डिलोन, संदीप बराला ,कुलदीप पचार, राकेश डीलर,विनोद सोमरा, राजकुमार लामोरिया, जगराम, अमर सिंह ओला, अयूब खान, विक्की ठाकुर काफी संख्या मे ग्रामवासी व युवा शक्ति मौजूद रही 'कार्यक्रम संचालन विकास पायल ने किया।

ब्रह्म चैतन्य संस्थान द्वारा 15 मई को होगा भगवान परशुराम सम्मान समारोह

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

समाज की युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने और उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने के उद्देश्य से ब्रह्म चैतन्य संस्थान द्वारा आगामी 15 मई 2026 को एक भव्य 'भगवान परशुराम सम्मान समारोह' का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम स्थानीय परशुराम भवन में आयोजित होगा। अध्यक्ष रामगोपाल मिश्र ने बताया कि ब्रह्म चैतन्य संस्थान की कार्यकारिणी के द्वारा सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया है कि संस्थान द्वारा सम्मान समारोह में समाज के होनहार विद्यार्थियों और विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली विभूतियों को 15 मई 2026 को सम्मानित किया जाएगा।

संस्थान के अध्यक्ष रामगोपाल मिश्र ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि इस गौरवशाली समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला शिक्षा अधिकारी अशोक शर्मा शिरकत करेंगे। समारोह में समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों और गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में युवाओं का उत्साहवर्धन किया जाएगा। समारोह में मुख्य रूप से शैक्षणिक उत्कृष्टता हासिल करने वाले छात्र-छात्राओं को केंद्र में रखा गया है जिनमें कक्षा 10वीं एवं 12वीं: 80' या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र, स्नातक/स्नातकोत्तर में 70' या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी, उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विशेष उपलब्धि हासिल करने वाले युवा, सरकारी एवं निजी सेवाओं में उत्कृष्ट कार्य कर समाज का नाम रोशन करने वाले व्यक्तियों को भी मंच से सम्मानित किया जाएगा। अध्यक्ष रामगोपाल मिश्र ने कहा, संस्थान हर वर्ष इस प्रकार के आयोजन करता है ताकि समाज के युवाओं में प्रतिस्पर्धा की स्वस्थ भावना विकसित हो। हमारा उद्देश्य केवल पुरस्कार देना नहीं, बल्कि यह अहसास कराना है कि समाज उनकी मेहनत और उपलब्धि पर गर्व करता है। संस्थान के पदाधिकारियों ने ब्राह्मण समाज के समस्त प्रबुद्धजनों और परिवारों से आग्रह किया है कि वे 15 मई को अधिक संख्या में परशुराम भवन पहुँचकर बच्चों को अपना आशीर्वाद प्रदान करें। पदाधिकारियों के अनुसार, वरिष्ठों की उपस्थिति से बच्चों का मनोबल बढ़ता है और उन्हें नई ऊर्जा मिलती है।

चिड़ावा पुलिस की कार्रवाई, 304 लीटर अवैध शराब सहित आरोपी गिरफ्तार

भीम प्रज्ञा न्यूज.चिड़ावा।

चिड़ावा थाना पुलिस ने अवैध शराब बिक्री के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 304 लीटर अंग्रेजी, देशी शराब एवं बीयर के साथ आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से शराब बिक्री की 11,032 रुपये नकद राशि भी जब्त की है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सिंह सागर के निर्देशानुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र सिंह राजावत एवं वृत्ताधिकारी विकास धींधवाल के सुपरविजन में थानाधिकारी अम्बिका चौधरी के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा की गई। पुलिस के अनुसार 7 मई 2026 को मुखबिर से सूचना मिलने पर लाखू तिराहा सत्संग भवन के पास खाली जमीन में बने एक खोखे पर दबिश दी गई, जहां आरोपी सुनिल पुत्र शीशराम निवासी पिचानवा अवैध शराब बेचता मिला। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 167 लीटर देशी शराब, 50 लीटर विभिन्न ब्रांड की अंग्रेजी शराब तथा 87 लीटर विभिन्न ब्रांड की बीयर सहित कुल 304 लीटर शराब बरामद की। साथ ही शराब बिक्री से प्राप्त 11,032 रुपये नकद भी जब्त किए गए। पुलिस ने आरोपी सुनिल को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम की धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कार्रवाई में थानाधिकारी अम्बिका चौधरी, उपनिरीक्षक कैलाशचंद्र, सहायक उपनिरीक्षक मुकेश कुमार सहित पुलिस टीम के अन्य जवानों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

नीमराना इंडस्ट्रियल क्षेत्र में 'पवन शर्मा एंड एसोसिएट्स' की नई ब्रांच का शुभारंभ

भीम प्रज्ञा न्यूज.नीमराना।

रमेशचंद । कोटपूतली-बहरोड़ जिले के औद्योगिक क्षेत्र मोहलड़िया मोड़, नीमराना में टैक्स कंसल्टेंसी एवं अकाउंटिंग सेवाओं के क्षेत्र में एक नई पहल के तहत 'पवन शर्मा एंड एसोसिएट्स' की नई ब्रांच का भव्य शुभारंभ किया गया।उद्घाटन समारोह में भाजपा अलवर उत्तर के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं नीमराना पंचायत समिति के पूर्व प्रधान बलवान यादव ने फीता काटकर कार्यालय का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, अधिवक्ताओं, चार्टर्ड अकाउंटेंट्स एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं की मौजूदगी रही। कार्यक्रम के दौरान एडवोकेट पवन शर्मा ने बताया कि नई शाखा के माध्यम से औद्योगिक क्षेत्र के व्यापारियों, उद्यमियों एवं आम नागरिकों को टैक्स कंसल्टेंसी, जीएसटी, इनकम टैक्स, अकाउंटिंग एवं विधिक परामर्श जैसी सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता, विश्वास एवं बेहतर प्रोफेशनल सेवाएं देना उनकी प्राथमिकता रहेगी। मुख्य अतिथि बलवान यादव ने अपने संबोधन में कहा कि नीमराना जैसे तेजी से विकसित हो रहे औद्योगिक क्षेत्र में प्रोफेशनल टैक्स एवं लीगल कंसल्टेंसी सेवाओं की अत्यधिक आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि व्यापार

पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष बलवान यादव ने फीता काटकर किया उद्घाटन, व्यापारियों को मिलेंगी टैक्स एवं विधिक सेवाएं

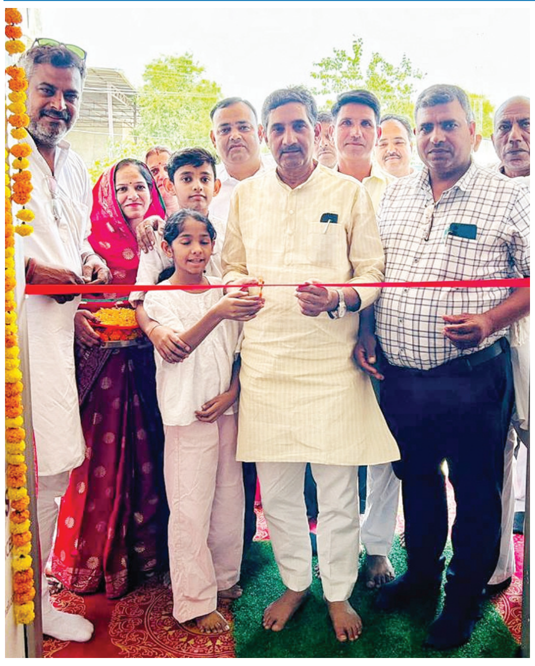

और उद्योग जगत को सही मार्गदर्शन देने वाले संस्थान क्षेत्र की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि 'पवन शर्मा एंड एसोसिएट्स' की यह नई शाखा उद्योगों, व्यापारियों एवं युवाओं के लिए लाभकारी सिद्ध होगी। कार्यक्रम में अधिवक्ता हेमन्त कुमार जैमन ने भी नई ब्रांच के शुभारंभ पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि औद्योगिक क्षेत्र में पेशेवर टैक्स एवं विधिक सेवाओं की बढ़ती मांग को देखते हुए यह कार्यालय निश्चित रूप से व्यापारियों और उद्योग जगत के लिए उपयोगी साबित होगा। समारोह में सीए साहिल शर्मा, सीए शिवानी शर्मा, एडवोकेट प्रीति शर्मा, कृष्ण कुमार शर्मा, सुरेश शर्मा नारनोल, विनोद शर्मा, अशोक शर्मा, सत्यनारायण शर्मा, गौतम शर्मा, एडवोकेट राजीव शर्मा, सुरेन्द्र फौजी नायसराणा, रामावतार यादव, ओमप्रकाश मेघवाल सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह के पश्चात अतिथियों का स्वागत किया गया तथा सभी ने नई शुरुआत के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

मानव सेवा और करुणा का संदेश लेकर मनाया विश्व रेड क्रॉस दिवस रेड क्रॉस मानवता की सेवा का वैश्विक प्रतीक : डीसी अनुपमा अंजली

सहायक उपकरण व बैटरी चलित ट्राई साइकिल वितरित, नशा मुक्ति रैली रवाना

भीम प्रज्ञा न्यूज.नारनौल।

विश्व रेड क्रॉस दिवस के अवसर पर आज जिला रेड क्रॉस कार्यालय में जिला स्तरीय भव्य एवं प्रेरणादायक समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत स्थानीय कन्या नेत्रहीन विद्यालय में बच्चों के साथ केक काटकर तथा उन्हें फल वितरित कर की। समारोह में समाज सेवा, मानवता, सहयोग और सेवा भावना का संदेश देते हुए विभिन्न जनकल्याणकारी गतिविधियों का आयोजन किया। कार्यक्रम में उपायुक्त एवं जिला रेडक्रॉस समिति की अध्यक्ष अनुपमा अंजली ने मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला रेड क्रॉस सचिव बलवान सिंह ने की। कार्यक्रम की शुरुआत रेडक्रॉस ध्वज फहराकर व मानव सेवा के महान प्रेरणास्रोत तथा रेड क्रॉस आंदोलन के संस्थापक हेनरी ड्यूनांट के जन्मदिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित कर की। उपायुक्त अनुपमा अंजली ने कहा कि रेड क्रॉस संस्था विश्वभर में मानव सेवा, सहानुभूति और सामाजिक जिम्मेदारी का प्रतीक बन चुकी है। उन्होंने कहा कि जिले में रेड क्रॉस समिति प्रशासन के साथ मिलकर समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्ग तक सहायता पहुंचाने का सराहनीय कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि जिला रेड क्रॉस द्वारा नियमित रूप से रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य जांच शिविर, दिव्यांगजन सहायता कार्यक्रम, आपदा राहत एवं बचाव कार्य, प्राथमिक उपचार प्रशिक्षण, महिला सशक्तिकरण गतिविधियां तथा नशा मुक्ति जागरूकता अभियान आयोजित किए जाते हैं। उपायुक्त ने कहा कि रेड क्रॉस केवल सहायता प्रदान नहीं करता बल्कि लोगों को आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा भी देता है। इसी उद्देश्य से समारोह के दौरान जरूरतमंद दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग, व्हीलचेयर, बैटरी चलित ट्राई साइकिल, बैसाखियां, सहायक उपकरण वितरित किए गए। उन्होंने लाभार्थियों को समाज की मुख्यधारा से जुड़ने और आत्मविश्वास के साथ जीवन जीने का संदेश दिया। उन्होंने युवाओं को नशे से दूर रहने का आह्वान करते हुए नशा मुक्ति जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और कहा कि स्वस्थ एवं जागरूक समाज ही विकसित राष्ट्र की नींव होता है। इस अवसर पर रक्तदान शिविर में अग्रणी रही संस्थाओं तथा रेड क्रॉस दिवस पर आयोजित पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को स्कूली विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य ब्रह्म प्रकाश दहिया, डॉ. हंसराज गुर्जर, डॉ. जितेंद्र भारद्वाज, डॉ. संजय शर्मा, पवित्रा यादव, त्रिभुवन वर्मा,आईएमडी केंद्र के नोडल अधिकारी डॉ. चंद्र मोहन, गीता यादव,ओमप्रकाश, राजकुमार व्यास, सतवीर सिंह, रेखा कुमारी, अगेंद्र यादव, एडवोकेट गिरिबाला, सुरेश कुमार, पूर्व न्यायाधीश रीडर रामपत यादव, राजेश यादव, अजय कुमार, नितेश यादव, नवरत्न वर्मा, विजय कुमार सहित अनेक गणमान्य नागरिक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं रेड क्रॉस स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

सेवा, समर्पण और संवेदनशीलता की पहचान रेड क्रॉस : बलवान सिंह

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला रेड क्रॉस सचिव बलवान सिंह ने कहा कि रेड क्रॉस संस्था का मूल उद्देश्य पीड़ित मानवता की निस्वार्थ सेवा करना है। उन्होंने बताया कि जिले में रेड क्रॉस स्वयंसेवक हर आपदा, दुर्घटना, महामारी और सामाजिक संकट के समय सबसे पहले सहायता के लिए आगे आते हैं। रेड क्रॉस के डिवीजनल कमांडर टेक चंद यादव ने कहा कि युवा रेड क्रॉस और जूनियर रेड क्रॉस इकाइयों के माध्यम से विद्यालयों व महाविद्यालयों में विद्यार्थियों को प्राथमिक उपचार, सामाजिक सेवा और मानवीय मूल्यों के प्रति जागरूक किया जा रहा है, जिससे समाज में सेवा संस्कृति मजबूत हो रही है। जिला शिक्षा अधिकारी के माध्यम से हर स्कूल में रेड क्रॉस के बारे में बच्चों को जानकारी दी जाती है।

मार्क ड्रिल से दिया आपदा प्रबंधन का संदेश

समारोह के दौरान रेड क्रॉस ब्रिगेड अधिकारियों रीजनल कमांडर टेक चंद्र यादव के नेतृत्व मे स्वयंसेवकों ने मार्क ड्रिल का प्रदर्शन किया। इसमें दुर्घटना, आगजनी और प्राकृतिक आपदा के समय राहत एवं बचाव कार्यों की प्रक्रिया को प्रदर्शित कर लोगों को जागरूक किया गया। स्वयंसेवकों ने प्राथमिक उपचार, घायल व्यक्तियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने तथा आपातकालीन प्रतिक्रिया की जानकारी दी।

आईपीएल में आज होगा राजस्थान रायल्स और गुजरात टाइटंस का मुकाबला

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स की टीम शनिवार को आईपीएल में यहां के सवाई मानसिंह स्टेडियम में गुजरात टाइटंस से खेलेगी। रॉयल्स का लक्ष्य इस मैच में घरेलू मैदान पर जीत दर्ज कर प्लेऑफ की ओर कदम बढ़ना रहेगा। अभी तक इस सत्र में दोनो ही टीमों ने छह-छह मैच जीतकर 12 अंक हासिल किये हैं। दोनो ही टीमों के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं जिससे ये मुकाबला रोमांचक होना तय है। राजस्थान के पास यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी जैसे बल्लेबाज हैं जो उसे बड़ी स्कोर तक पहुंचा सकते हैं जबकि जोफ्रा आर्चर, रवि बिश्नोई जैसे गेंदबाज हैं। टीम के कप्तान रियान पराग भी इस मैच में जीत के साथ ही टीम को आगे ले जाना चाहेंगे। वहीं गुजरात के पास कप्तान शुभमन गिल के अलावा साई सुदर्शन जैसा बेहतरीन बल्लेबाज हैं। गेंदबाजी में उसके पास कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज के अलावा राशिद खान जैसा स्टार गेंदबाज है। मौजूदा सीजन में यहां अब तक दो मुकाबले खेले गए हैं जो कि दोनों ही लक्ष्य का पीछा करने वाली टीमों ने जीते हैं। ऐसे में टॉस जीतने वाली टीम यहां पहले गेंदबाज़ी ही करना चाहेगी। ऐसे में पहले पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम को अपने स्कोर का बचाव करने कम से कम 220 रन बनाने होंगे। आंकड़ों पर नजर डालें तो अब तक दोनो ही टीमों के बीच कुल 9 मुकाबले हुए हैं जिसमें से रॉयल्स ने 3 जबकि टाइटंस ने 0 जीते हैं। इस प्रकार देखा जाये तो गुजरात की दावेदारी मजबूत नजर आती है।

टीम इस प्रकार है

राजस्थान रॉयल्सः रियान पराग (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रविंद्र जडेजा, डोनोवन फरेरा, शुभम दुबे, जोफ्रा आर्चर, रवि बिश्नोई, नंद्रे बर्गर, बृजेश शर्मा। इम्पैक्ट प्लेयर-तुषार देशपांडे।

गुजरात टाइटंसः शुभमन गिल (कप्तान), साईं सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, निशांत सिंधु, राहुल तेवतिया, जेसन होल्डर, अरशद खान, राशिद खान, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज। इम्पैक्ट प्लेयर-मानव सुथार।

प्रिंस की गेंद ने उड़ाया विकेट, देखकर हैरान हुए विराट

लखनऊ (एजेंसी)। आईपीएल में लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली शुरुआत में ही प्रिंस यादव का शिकार बने। इस मैच में दूसरा ओवर फेंकने आए प्रिंस के सामन विराट थे। प्रिंस की पहली गेंद पर कोहली ने सतर्कता बरती। अगली गेंद, 140.4 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आई। प्रिंस ने पहली गेंद आउटस्विंगर डाली थी, लेकिन इस बार गेंद पिच पर टप्पा खाने के बाद बिजली की तेजी से अंदर की तरफ घूम गई। कोहली एक शानदार फॉरवर्ड पुश खेलने के लिए आगे बढ़े, लेकिन गेंद और बल्ले के बीच इतना फासला रह गया कि किसी को कुछ समझ ही नहीं आया। गेंद ने कोहली के डिफेंस को भेदते हुए सीधा ऑफ स्टंप उखाड़ दिया, जिससे स्टंप्स हवा में बिखर गये।

जैसे ही स्टंप्स की गिल्लियां हवा में बिखरीं, पूरा इकाना स्टेडियम एक पल के लिए सुन्न हो गया। विराट क्रीज पर ही देखते रह गए। वह हैरान होकर पिच को ताकने लगे। उन्हें भरोसा ही नहीं हो रहा था कि एक युवा और अनुभवहीन गेंदबाज ने उनकी तकनीक में सेंध लगा दी है। कोहली के चेहरे पर अविश्वास के भाव थे, मानो वह खुद से पूछ रहे हों कि गेंद इतनी अंदर कैसे आई। सिर्फ 2 गेंदों का सामना और स्कोरबोर्ड पर 0 रन। यह 'गोल्डन डक' तो नहीं था, लेकिन यह 2-बॉल डक आरसीबी के प्रशंसकों के लिए किसी सदमे से कम नहीं था। दूसरी तरफ, प्रिंस यादव हवा में मुक्के मारते हुए खुशी से झूम रहे थे। एक युवा गेंदबाज के लिए विराट कोहली का विकेट लेना किसी सपने के सच होने जैसा था। कोहली कुछ पलों तक वहीं खड़े रहे, फिर भारी मन से पवेलियन की ओर चल दिए।

श्रेयस अय्यर बन सकते हैं भारतीय टीम के कप्तान, सूर्यकुमार यादव का कटेगा पत्ता

मुम्बई (एजेंसी)। श्रेयस अय्यर को जल्द ही उनकी शानदार IPL कप्तानी के रिकॉर्ड का इनाम मिल सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक भारतीय चयनकर्ता उन्हें भारत की टी20आई टीम के अगले कप्तान के तौर पर देख रहे हैं। इस कदम से मौजूदा कप्तान सूर्यकुमार यादव का पत्ता कट सकता है।

रिपोर्ट्स के अनुसार भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) भविष्य के लिए एक नया टी20आई सेटअप तैयार करना चाहता है, जिसमें श्रेयस अय्यर टीम की कप्तानी करने के लिए सबसे आगे चल रहे हैं। भारत एक व्यस्त टी20 कैलेंडर की तैयारी कर रहा है जिसमें 2028 का टी20 विश्व कप और 2028 के ग्रीष्मकालीन ओलंपिक शामिल हैं, जहां क्रिकेट की खेलों में वापसी होगी।

फ्रैंचाइजी क्रिकेट में एक कप्तान के तौर पर श्रेयस अय्यर के उभार ने कथित तौर पर चयनकर्ताओं की सोच में एक बड़ी भूमिका निभाई है। इस स्टाइलिश बल्लेबाज ने 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स को उनका तीसरा IPL खिताब दिलाया और उसके बाद पंजाब किंग्स को IPL 2025 के फाइनल तक पहुंचाया। उनके नेतृत्व कौशल, रणनीतिक समझ और दबाव वाली स्थितियों को संभालने की क्षमता की भारतीय क्रिकेट जगत में खूब तारीफ हुई है।

इसके विपरीत सूर्यकुमार यादव पिछले कुछ महीनों से अपनी फॉर्म से जूझ रहे हैं। इस 35 वर्षीय बल्लेबाज ने टी20 विश्व कप के दौरान 9 पारियों में 242 रन बनाए जिसमें से 84 रन उन्होंने USA के खिलाफ एक ही पारी में बनाए थे। उनकी खराब फॉर्म IPL 2026 में भी जारी रही, जहां मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन निराशाजनक रहा और वे पॉइंट्स टेबल में सबसे नीचे के पायदान पर बने हुए हैं।

भारत इस साल के अंत में आयरलैंड के खिलाफ दो टी20आई मैच और उसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी20आई सीरीज खेलने वाला है। यह सीरीज भारतीय टी20 क्रिकेट में श्रेयस अय्यर के युग की शुरुआत साबित हो सकती है।

आरसीबी से मुकाबले से पहले मुंबई इंडियंस के लिए अच्छी खबर, कप्तान हार्दिक पांड्या टीम से जुड़े

रायपुर (छत्तीसगढ़) (एजेंसी)। कप्तान और स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या पीठ में खिंचाव के कारण पिछला मैच नहीं खेल पाए थे, अब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ अपने अहम IPL 2026 मुकाबले से पहले रायपुर में मुंबई इंडियंस (MI) टीम से जुड़ गए हैं। इस बात की पुष्टि फ्रेंचाइजी के इंस्टाग्राम पेज पर की गई जहां उन्होंने अपने कप्तान हार्दिक की एक पोस्ट शेयर की।

लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ MI के पिछले IPL 2026 मुकाबले के दौरान हार्दिक की जगह सूर्यकुमार यादव ने टीम की कप्तानी की थी। LSG पर मुंबई की शानदार जीत के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में रयान रिकेटन ने हार्दिक की चोट को लेकर उठ रही चिंताओं पर बात की। रिकेटन ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि उनके कब तक वापस आने की उम्मीद है। मुझे आज दोपहर ही पता चला कि उनकी पीठ में खिंचाव है, इसलिए मुझे यह नहीं पता कि यह कितना गंभीर है। मैं इसे चोट नहीं कहना चाहूंगा; मुझे नहीं पता कि यह कितनी बुरी है या उन्हें कैसा महसूस हो रहा है। लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि इस हफ्ते जब हम रायपुर जाएंगे, तो वह फिर से टीम के साथ होंगे।'

शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में एक पूरा ट्रेनिंग सेशन तय है और उम्मीद है कि पांड्या शुक्रवार को नेट्स में टीम के साथ अभ्यास करेंगे। डिफेंडिंग चैंपियन RCB रविवार शाम को होने वाले एक जबरदस्त मुकाबले में 5 बार की चैंपियन टीम की मेजबानी करेगी। सात हार और तीन जीत के साथ मुंबई इंडियंस पॉइंट्स टेबल पर नौवें स्थान पर है और प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी थोड़ी-बहुत उम्मीदों को जिंदा रखने के लिए उसे अपने बचे हुए सभी मैच जीतने होंगे। इस बीच लखनऊ में रनों से हारने के बाद बेंगलुरु की टीम तीसरे स्थान पर खिसक गई है, और इस टूर्नामेंट में यह उनकी चौथी हार है।

रोनाल्डो ने सऊदी प्रो लीग में किया अपना 100वां गोल

रियाद। दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने सऊदी प्रो लीग में अपना 100वां गोल किया जिससे अल-नासर ने अल-शबाब को 4-2 से हराकर तालिका में शीर्ष पर पांच अंकों की बढ़त बना ली। इस 41 वर्षीय फॉरवर्ड ने गुरुवार को मैच समाप्त होने से 15 मिनट पहले साडियो माने के क्रॉस पर हुए गोल किया जो उनके करियर का 971वां गोल है। यह इस सत्र में लीग में उनका 26वां गोल भी था। चेल्सी के पूर्व खिलाड़ी जोआओ फेलिक्स ने अल-नासर की तरफ से तीन गोल किए। इस जीत से अल-नासर के 32 मैचों में 82 अंक हो गए हैं, जो दूसरे नंबर पर काबिज अल-हिलाल से पांच अंक अधिक हैं। अल-हिलाल को अभी तीन मैच खेलने हैं जो अल-नासर से एक अधिक है। पांच बार के बैलोन डीओर विजेता रोनाल्डो दिसंबर 2022 में अल-नासर से जुड़े थे लेकिन उनकी मौजूदगी में इस टीम ने सऊदी अरब में अभी तक कोई बड़ी ट्रॉफी नहीं जीती है।

आईपीएल को लेकर बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने जारी की नई एडवाइजरी

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 सत्र में कई नियमों के उल्लंघन पर नाराजगी जताते हुए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव देवजीत सैकिया ने खिलाड़ियों और टीम मालिकों के लिए एक नई एडवाइजरी जारी की है। इसमें कई नियमों के साथ ही आचार संहिता के पालन पर भी जोर दिया गया है। इस दौरान बोर्ड की एंटी-करप्शन यूनिट (एसीयू) ने डग-आउट में अनधिकृत व्यक्तियों के मौजूद रहने के साथ ही ऐसे कई ऐसे नियमों के उल्लंघन की ओर इशारा किया है जो अभी तक सार्वजनिक नहीं हुए हैं। जिससे बोर्ड को ये कदम उठाना पड़ा है। बोर्ड को आशंका है कि इससे फिक्सिंग और हनी-ट्रैप के मामले हो सकते हैं। इन जानकारियों के आधार पर, बीसीसीआई ने सभी आईपीएल टीमों को एक एडवाइजरी भी भेजी है और इस सप्ताह के अंत में सभी फ्रेंचाइजी के सीईओ की एक बैठक भी बुलाई है। इस बैठक का लक्ष्य उन्हें नियमों की याद दिलाना और उन टीमों या व्यक्तियों के खिलाफ उचित कार्रवाई करना है जिन्होंने नियमों का पालन नहीं किया है। सैकिया ने बताया कि अनधिकृत लोग टीम बस, होटलों और डग-आउट एरिया में यात्रा करते या घूमते पाए गए हैं, जो सुरक्षा और अखंडता के लिए खतरा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि खिलाड़ियों और टीमों के आचरण से जुड़े नियम 2008 से लागू हैं, लेकिन हाल के दिनों में इन नियमों को लेकर लापरवाही देखी गई है। बोर्ड अब किसी भी उल्लंघन पर ढिलाई नहीं बरतेगा और आगामी बैठक में सभी को इस एडवाइजरी के महत्व के बारे में विस्तार से समझाया जाएगा। नई एडवाइजरी में बीसीसीआई ने कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। बोर्ड ने चेताया है कि हाई-प्रोफाइल खिलाड़ियों को निशाना बनाकर उन्हें हनी-ट्रैप में फंसाया जा सकता है। ऐसे में टीमों को हर समय सतर्क रहने को कहा गया है। इसके अलावा, टीम मैनेजर की लिखित अनुमति के बिना कोई भी बाहरी व्यक्ति खिलाड़ी या स्टाफ के कमरे में नहीं जा सकता; मेहमानों से केवल होटल की लॉबी या पब्लिक एरिया में ही मिला जा सकता है। कुछ खिलाड़ियों द्वारा सुरक्षा अधिकारियों को बताए बिना होटल से बाहर जाने की प्रवृत्ति पर भी रोक लगाई गई है; अब होटल से बाहर जाने के लिए सुरक्षा अधिकारी से मंजूरी लेना अनिवार्य है और खिलाड़ियों के मूवमेंट का पूरा रिकॉर्ड रखा जाएगा। यह भी स्पष्ट किया गया है कि खिलाड़ियों को स्टेडियम, होटल और प्रैक्टिस के दौरान अपना आईडी कार्ड हमेशा गले में पहनना होगा, और आईडी दिखाने में आनाकानी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

आईपीएल में इस बार पंजाब के खिताब जीतने की सबसे अधिक उम्मीद : इरफान पठान

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर इरफान पठान का मानना है कि IPL 2026 में इस बार कोई नई टीम खिताब जीत सकती है। पठान के अनुसार पंजाब किंग्स ने इस बार बेहतरीन प्रदर्शन किया है और उसके खिताब जीतने की काफी उम्मीदें हैं। आईपीएल में करीब 50 मुकाबले हो गये हैं और प्लेऑफ के लिए दावेदारी तेज हो गयी है। पंजाब की टीम पिछले साल उपविजेता रही थी। इस बार वह अंक तालिक में दूसरे नंबर पर है। जबकि पिछले साल की विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) तीसरे नंबर पर हैं। पठान को उम्मीद है कि इस बार श्रेयस अय्यर की कप्तानी में पंजाब पहली बार खिताब जीत सकती है। पठान ने कहा, पंजाब के पास बहुत अच्छा मौका है। वे प्रभावी क्रिकेट खेल रहे हैं और उनके पास एक अच्छा संयोजन है। टीम के पास अच्छे बल्लेबाज और गेंदबाज हैं बस उसे एक और स्पिनर की जरुरत है जिसकी कमी ऑस्ट्रेलिया के कूपर कोनोली पूरी कर सकते हैं। पठान ने इसके अलावा कहा कि दिल्ली कैपिटल्स की भी संभावनएं हैं हालांकि टीम अभी अंक तालिका में पीछे है पर उसे मुकाबले से बाहर नहीं माना जा सकता है। इसका कारण है कि दिल्ली भी अच्छी टीम है। अभी उसकी संभावनएं कम लग रही हैं पर उसमें क्षमताएं हैं। वही दूसरी ओर पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना का मानना है कि इस बार भी मौजूदा चैंपियन आरसीबी अपना खिताब बनाये रखने में सफल रहेगी। रैना ने कहा, मुझे लगता है कि आरसीबी अपने खिताब का बचाव कर सकती है। जिस तरह से वे खेल रहे हैं, और जिस तरह से उनकी गेंदबाज़ी इकाई काम कर रही है जिसमें कप्तान रजत पाटीदार आगे बढ़कर नेतृत्व कर रहे हैं वह काफी प्रभावशाली रहा है। यह केवल 240-250 जैसे बड़े स्कोर बनाने के बारे में नहीं है; बल्लेबाजी ईकाई में हर कोई अपनी भूमिका को अच्छी तरह समझता है। इसके अलावा कहा कि राजस्थान रॉयल्स और गुंजरात टाइटंस भी खिताब की दावेदार नजर आती है। उन्होंने कहा कि रॉयल्स और गुजरात के खिलाड़ियों ने भी अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है।

टी20 में टिके रहने गेंदबाजों को विविधता लाने के साथ ही नये अस्त्र जोड़ने होंगे : क्रुणाल पांड्या

लखनऊ (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या ने कहा है कि आजकल जिस प्रकार से टी20 प्रारुप में बल्लेबाज नियमों का लाभ उठाते हुए आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे हैं। उसे देखते हुए गेंदबाजों को भी विविधता अपनानी पड़ेगी तभी वे मुकाबले में टिक पायेंगे। क्रुणाल ने कहा, अगर आप पिछले एक दशक से आईपीएल को करीब से देख रहे हैं, तो अपने देखा होगा कि बल्लेबाजों की आक्रामकता में तेजी आई है। आज पावर-हिटिंग लगातार विकसित हो रही है और नए जमाने के बल्लेबाज आसानी से बड़े शॉट लगा रहे हैं। ऐसे में गेंदबाज के रूप में, आपको विविधत लाते हुए नये प्रयोग करते रहने होंगे। नये प्रकार के अस्त्र लाकर ही गेंदबाज हावी हो सकते हैं। इसके लिए उन्हे बल्लेबाजों से एक कदम आगे रहना होगा।। इसी कारण उन्होंने वह बाउंसर और यॉर्कर जैसी गेंदों फेंकने लगे हैं।

इस सीजन में अब तक 9 विकेट लेने वाले और आईपीएल में कुल 100 विकेट का आंकड़ा पार कर चुके क्रुणाल ने मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए खेलते हुए अपने को प्रासंगिक बनाए रखा है। एक स्पिनर होने के बावजूद, उन्होंने बाउंसर पर भरोसा किया। उन्होंने बताया कि यह अचानक नहीं था कि एक स्पिनर के तौर पर उन्होंने बाउंसर फेंकना शुरू कर दिया। यह एक सोची-समझी योजना थी, जिसमें बल्लेबाज पर बाउंसर के मनोवैज्ञानिक प्रभाव को समझना शामिल था। खुद बल्लेबाज होने के नाते, उन्हें प्रतिद्वंद्वी की मानसिकता समझने में मदद मिलती है, जिससे वह हमेशा सोचने की प्रक्रिया में एक कदम आगे रहने की कोशिश करते हैं।

क्रुणाल की रणनीति उनके कमजोर स्कोरिंग क्षेत्रों को निशाना बनाने पर केंद्रित होती है। अगर कोई बल्लेबाज कवर्स के ऊपर से आसानी से रन बनाता है, तो क्रुणाल उसे मिड-विकेट के ऊपर से शॉट खेलने के लिए मजबूर करने की कोशिश करते हैं। इसी तरह, अगर उसे स्लॉग स्वीप पसंद है, तो उसे लॉन्ग ऑफ के ऊपर से शॉट खेलने पर मजबूर किया जाता है।

केएल राहुल ने रचा इतिहास, तीन अलग-अलग फेंचाइजियों के लिए 1000 से ज्यादा रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने

नई दिल्ली। अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच हुए मुकाबले के दौरान केएल राहुल ने अपने IPL करियर में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की। राहुल की पारी 23 रन पर ही समाप्त हो गई, लेकिन दिल्ली कैपिटल्स के इस बल्लेबाज ने IPL के इतिहास में ऐसा पहला खिलाड़ी बनकर रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज करा लिया जिसने तीन अलग-अलग फेंचाइजियों के लिए 1000 से ज़्यादा रन बनाए हों। राहुल ने अब पंजाब किंग्स के लिए कुल 2548 रन, लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए 1410 रन और दिल्ली कैपिटल्स के लिए 1002 रन बनाए हैं। यह उपलब्धि इस टूर्नामेंट में पिछले कुछ सालों के दौरान अलग-अलग टीमों और बैटिंग भूमिकाओं में उनकी निरंतरता को दर्शाती है। केएल राहुल का विकेट पांचवें ओवर की आखिरी गेंद पर गिरा जब कार्तिक त्यागी ने एक धीमी गेंद डालकर राहुल को चकमा दे दिया। गेंद को कवर के ऊपर से 'इनसाइड-आउट' शॉट लगाकर हवा में उछालने की कोशिश में राहुल गेंद की पिच तक नहीं पहुंच पाए और गेंद उनके बल्ले का किनारा लेकर मिड-ऑन की तरफ हवा में ऊंची चली गई, जहां कैमरन ग्रीन ने एक शानदार कैच लपक लिया।

इस साल के अंत में त्रिकोणीय एकदिवसीय सीरीज की मेजबानी करेगा पाकिस्तान, इंग्लैंड और श्रीलंका भी होंगे शामिल

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के लिए आने वाला सत्र काफी व्यस्त रहने वाला है। पाक इस साल के अंत में एक त्रिकोणीय सीरीज की मेजबानी करेगा जिसमें इंग्लैंड और श्रीलंका की टीमें भी खेलेंगी। यह सीरीज अक्टूबर के अंतिम सप्ताह में आयोजित होने की संभावना है। पाकिस्तान, इंग्लैंड और श्रीलंका के क्रिकेट बोर्ड के बीच इस पर सहमति तकरीबन बन गयी है। केवल मैच स्थलों को अंतिम रुप दिया जा रहा है। टी20 क्रिकेट के कारण आजकल एकदिवसीय त्रिकोणीय सीरीज का आयोजन अब काफी कम हो गया है। लगभग डेढ़ दशक पहले तक ये काफी लोकप्रिय थीं, लेकिन वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इनका आयोजन कभी-कभी ही होता है। ऐसे में इस त्रिकोणीय सीरीज का आयोजन पाकिस्तान के लिए एक महत्वपूर्ण घटना होगी, जिससे देश में उच्च-स्तरीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की वापसी को और भी मजबूती मिलेगी। त्रिकोणीय सीरीज के अलावा, श्रीलंकाई क्रिकेट टीम भी पाकिस्तान का दौरा कर सकती है, जिसमें दो टेस्ट और तीन टी20 मैच शामिल होने की संभावना है। इन आयोजनों से पहले, पाकिस्तान क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी करेंगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम 30 मई, 2 जून और 4 जून को तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज खेलेगी। सीरीज का पहला मैच रावलपिंडी में खेला जाएगा, जबकि शेष दो मुकाबले लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेले जाएंगे। इस सीरीज में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में व्यस्त होने के कारण, पैट कमिंस सहित कई प्रमुख ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी अनुपलब्ध रह सकते हैं, क्योंकि आईपीएल 31 मई तक चलने वाला है। ऐसे में, एक नई ऑस्ट्रेलियाई टीम के पाकिस्तान पहुंचने की संभावना है।

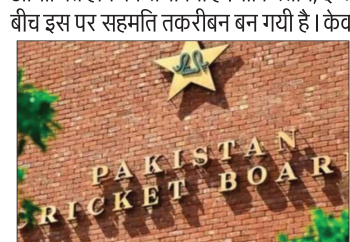

लखनऊ को प्लेऑफ में पहुंचने बड़े अंतर से जीतने होंगे अपने सभी मुकाबले

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मिली जीत से लखनऊ सुपर जाएंट्स के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें बन गयी हैं। आरसीबी के खिलाफ मिली इस जीत से टीम में उत्साह का संचार भी हुआ है। इस तीसरी जीत के बावजूद, लखनऊ सुपर जाएंट्स की स्थिति अंक तालिका में अभी भी बेहद कठिन बनी हुई है। 10 मैच खेलने के बाद सुपर जाएंट्स की टीम अब तक केवल 3 मैच जीती है जबक 7 हारी है। जिससे वह कुल 6 अंकों के साथ ही अंक तालिका में 10वें स्थान पर ही है। ऐसे में प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए उन्हें अब अपना सर्वश्रेष्ट प्रदर्शन करना होगा।

सुपर जाएंट्स के अभी चार लीग मैच बाकी हैं और प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए इन सभी मैचों में उसे जीत हासिल करनी होगी। है। यदि एलएसजी अपने सभी शेष चार मैच जीत लेती है, तो उनके कुल अंक 14 हो जाएंगे। आमतौर पर, आईपीएल में प्लेऑफ के लिए 14 अंक पर्याप्त नहीं हैं। इससें टीम नेट रन रेट में बेहतर होने पर ही आगे जा सकती है। इसलिए सुपर जाएंट्स को अपने बचे हुए मैच बड़े अंतर से जीतना होंगे।, इसके अलावा लखनऊ को अन्य टीमों के परिणामों पर निर्भर रहना होगा। उन्हें उम्मीद करनी होगी कि प्लेऑफ की दौड़ में शामिल कुछ टीमें अपने महत्वपूर्ण मैच हार जाएं ताकि 14 अंकों का आंकड़ा उन्हें शीर्ष-4 में ले जा सके।

उसके अब 10 मई को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ, 15 मई को फिर चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ, 19 मई को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ और 23 मई को पंजाब किंग्स के खिलाफ खेलना है।

टी20 नहीं, वैभव सूर्यवंशी को भारतीय टेस्ट टीम में शामिल करने की सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैभव सूर्यवंशी को भारतीय टीम में शामिल करने की मांग तेज हो रही है जिसमें टी20 ही नहीं टेस्ट टीम में शामिल करने का भी समर्थन मिल रहा है। सूर्यवंशी अभी सिर्फ 15 साल के हैं और पिछले एक साल में उन्होंने जो कुछ हासिल किया है। उन्होंने ज़्यादातर टी20 क्रिकेट खेला है और बीच-बीच में कुछ वनडे भी खेले हैं। रेड बॉल क्रिकेट वह फॉर्मेट है जिसमें उन्होंने सबसे कम खेला है। सिर्फ 8 फर्स्ट-क्लास मैच और कुछ यूथ टेस्ट मैचों के अनुभव के साथ सूर्यवंशी निश्चित रूप से लंबे समय में भारतीय टेस्ट टीम के लिए एक संभावित खिलाड़ी बन सकते हैं, लेकिन वह उस फॉर्मेट के लिए सबसे ज़्यादा उपयुक्त हैं जिसमें उन्होंने सबसे ज़्यादा बेहतरीन प्रदर्शन किया है।

सूर्यवंशी के मेंटर और उन्हें राजस्थान रॉयल्स में लाने के लिए जिम्मेदार जुबिन भरूचा का पक्का मानना है कि इस युवा खिलाड़ी को भारतीय टीम में डेब्यू करवाना ही सबसे सही फैसला होगा। भरूचा का ध्यान 1989 की ओर जाता है, जब BCCI ने युवा सचिन तेंदुलकर पर भरोसा जताया था और उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट कैप सौंपी थी। उसके बाद जो हुआ, जैसा कि कहा जाता है, वह इतिहास है।

भरूचा ने Wisden से कहा, 'यह एक मुश्किल फैसला है, क्योंकि सच कहूं तो अगर आप किसी भी पैमाने जैसे स्कोर, स्ट्राइक-रेट, बनाए गए रन से देखें, तो वह पहले से ही लाइन में इंतजार कर रहे कई लोगों से काफी आगे हैं। मुझे सच में लगता है कि उन्हें विश्वास की वह छलांग लगानी चाहिए, जैसा उन्होंने सचिन तेंदुलकर के साथ किया था और उन्हें सीधे टीम में शामिल कर लेना चाहिए।'

सूर्यवंशी को टेस्ट क्रिकेट में आजमाने को लेकर जरा भी शक नहीं है, लेकिन भरूचा का मानना है कि इस युवा खिलाड़ी में ओपनर होने के अलावा भी बहुत कुछ खास है। उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि तकनीकी रूप से, वह खुद को पूरी तरह से समर्पित नहीं करते। वह हमेशा बैकफुट पर रहते हैं, और मेरे लिए यही बैटिंग का सबसे बड़ा मंत्र है। इसलिए जब गेंद स्विंग हो रही हो, अगर आप अपना फ्रंटफुट आगे नहीं बढ़ाते, तो यह महानतम बल्लेबाजों की निशानी है। सवाल यह है कि क्या हम उन्हें गेंद स्विंग होने पर भी इसी क्रम का पालन करवा सकते हैं। मुझे यह भी लगता है कि ओपनिंग करना उनके लिए सही नहीं है। उनके पास देने के लिए और भी बहुत कुछ है, इसलिए यह कहना गलत होगा कि उन्हें सीधे ओपनिंग स्लॉट में भेज दिया जाए।'

भरूचा ने कहा, 'मैं अभी उन्हें नंबर 4 पर नहीं रखूंगा। वह अभी उससे थोड़ा पीछे हैं। नंबर 5-6, जहां वह शायद 60वें या 70वें ओवर में आकर तेजी से 40-50 रन बना सकते हैं। फिर शायद जब बीच में कहीं नई गेंद आए, तो वह उसे संभालना सीख जाएं। मेरी लंबी अवधि की सोच यह है कि अगर हम उन्हें स्विंग होती गेंद की बारीकियां समझा पाएं कि वह अलग-अलग स्थितियों में उसका सामना कैसे करें। उदाहरण के लिए अगर बेंगलुरु में कोई टेस्ट मैच है, तो वह ओपनिंग करके भी रन बना सकते हैं; लेकिन अगर वह लीड्स या किसी और जगह जाते हैं, जहां आस-पास इतने सारे खिलाड़ी होने की वजह से गेंद ठीक से दिखाई नहीं देती, तो यह एक चुनौती हो सकती है। फिर भी, समय के साथ अगर वह यह सब समझ जाते हैं, तो वह टॉप ऑर्डर में भी उतने ही खतरनाक साबित होंगे जितने कि निचले क्रम में। यही इस पहेली का आखिरी टुकड़ा होगा।'

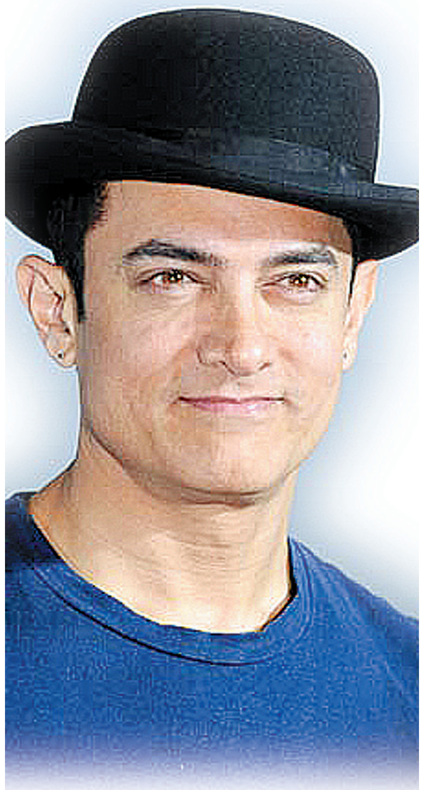

दादासाहेब फाल्के की बायोपिक क्यों रुकी? आमिर ने बताई वजह

करीब एक साल पहले आमिर खान और राजकुमार हिरानी ने भारतीय सिनेमा के जनक दादासाहेब फाल्के पर बायोपिक बनाने का एलान किया था। इस घोषणा के बाद फिल्म को लेकर काफी उत्साह था, लेकिन अब इस प्रोजेक्ट को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है।

'स्क्रिप्ट से खुश नहीं, इसलिए फिलहाल रोक दी फिल्म'

अमर उजाला से बातचीत में आमिर खान बताते हैं, 'दादासाहेब फाल्के की कहानी बहुत ही इंस्पिरेशनल है, जिस पर राजू काम कर रहे थे। उन्होंने इसके तीन ड्राफ्ट बनाए, लेकिन अभी तक वो स्क्रिप्ट से पूरी तरह खुश नहीं हैं। इसलिए उन्होंने इस फिल्म को फिलहाल बैक बर्नर पर रख दिया है। हो सकता है कि आगे चलकर वो इस पर दोबारा काम करें। फिलहाल इस वक्त राजू '3 इडियट्स 2' पर काम कर रहे हैं। मैंने उसकी कहानी सुनी है, बहुत अच्छी बनी है और अभी उस पर आगे काम चल रहा है।'

'10 साल बाद लौटेंगे '3 इडियट्स' के किरदार'

वह बताते हैं, 'ये बहुत ही अनोखी कहानी है। इसमें '3 इडियट्स' के किरदारों की कहानी दिखाई जाएगी, लेकिन करीब दस साल बाद की। यह एक बहुत खूबसूरत कहानी है, जिसे अभिजात और राजू ने बहुत अच्छे से लिखा और सोचा है।' आमिर मुस्कुराते हुए कहते हैं, 'तो एक बार फिर मुझे फुनसुख वांगडू के उस किरदार में उतरना पड़ेगा।'

'सितंबर या अक्टूबर से शुरू हो सकती है मेरी अगली फिल्म'

अपने आगे के प्लान को लेकर आमिर कहते हैं, 'मैं पिछले आठ महीनों से कई स्क्रिप्ट्स सुन रहा हूं। 'एक दिन' के रिलीज होने के बाद मैं अपने करियर पर थोड़ा फोकस करूंगा। कई कहानियां हैं जो मुझे पसंद आई हैं।' वह आगे कहते हैं, 'अभी मैंने तय नहीं किया है कि कौन सी फिल्म करूंगा, लेकिन अगले एक-दो हफ्तों में, ज्यादा से ज्यादा एक महीने में फैसला ले लूंगा। मेरा अनुमान है कि इस साल के सितंबर या अक्टूबर से शूटिंग शुरू हो जाएगी।'

पवन सिंह से ब्रेकअप के बाद फिर इश्क में पड़ीं अक्षरा सिंह

अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने हाल ही में अपनी लव लाइफ पर बात की है। एक वक्त में उनके प्यार के चर्चे भोजपुरी इंडस्ट्री के पावर स्टार पवन सिंह के साथ थे। दोनों का अफेयर रहा, मगर बाद में इनके बीच दूरियां आ गईं और ब्रेकअप हो गया। इतना ही नहीं, यह रिश्ता एक बुरे मोड़ पर टूटा था। अक्षरा ने पवन सिंह पर कई आरोप भी लगाए। हालांकि, पवन सिंह से ब्रेकअप के बाद एक्ट्रेस अब आगे बढ़ गई हैं। उनकी जिंदगी में फिर से प्यार ने दस्तक दी है।

अक्षरा बोलीं- 'भूतकाल पर थोड़ी अटकी रहूंगी'

अक्षरा सिंह ने हाल ही में यूट्यूब चैनल जिंदाबाद को दिए इंटरव्यू में अपने करियर और जिंदगी को लेकर कई दिलचस्प बातें साझा कीं। इस दौरान उनसे सवाल किया गया कि क्या उन्हें दोबारा प्यार नहीं हुआ? इस पर अक्षरा ने मुस्कुराते हुए कहा, 'हुआ है ना। चल रहा है। दोबारा क्या होता है, जो पुराना हो गया वो तो भूतकाल में चला गया। अभी मैं भविष्य की चिंता करूंगी, वर्तमान की चिंता करूंगी या भूतकाल पर अटकी रहूंगी'।

किसे डेट कर रही हैं अक्षरा सिंह?

बातचीत के दौरान अक्षरा ने बताया कि वे एक अनजान शख्स को डेट कर रही हैं। उन्होंने उस शख्स की पहचान उजागर नहीं की। उन्होंने कहा कि वे किसी की नजर नहीं चाहतीं। अक्षरा ने कहा, 'हां मैं प्यार में हूं, लेकिन अभी टाइम है। फिलहाल मैं प्यार के प पर पहुंची हूं। थोड़ा प्रोसेस होने दीजिए, फिर मैं सब बताऊंगी'। अक्षरा सिंह ने आगे कहा कि बिना प्यार के कोई नहीं रह सकता।

मुझे नजर बहुत जल्दी लगती है

प्यार का नाम पूछे जाने पर एक्ट्रेस ने कहा, 'मुझे नजर बहुत जल्दी लगती है। अगर मैंने नाम बता दिया और नजर लग गई तो? शादी का अभी नहीं पता, लेकिन पहले जिनसे प्यार हुआ है उन्हें जान लें। बहुत सी चीजें हैं, वो जब समझ आ जाएंगी तब देखा जाएगा शादी का'। अक्षरा ने कहा कि अभी शुरुआती दौर है, वे खुद अभी फिगर आउट कर रही हैं। बता दें कि एक टाइम पर अक्षरा और पवन सिंह भोजपुरी इंडस्ट्री में चर्चित कपल थे। मगर, साल 2018 में पवन सिंह ने कथित तौर पर अक्षरा को धोखा देकर ज्योति सिंह से शादी कर ली। अक्षरा ने पवन सिंह पर कई आरोप लगाए थे। फिलहाल पत्नी ज्योति सिंह के साथ भी पवन सिंह का विवाद कोर्ट में चल रहा है।

इसी साल शुरू होगी रणवीर स्टारर 'प्रलय' की शूटिंग

अभिनेता रणवीर सिंह 'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' की जबरदस्त सफलता के बाद अब दर्शकों को अपकमिंग फिल्म 'प्रलय' के रूप में एंटरटेनमेंट का नया डोज देने को तैयार हैं। 'प्रलय' की शूटिंग इस साल अगस्त से शुरू होने वाली है। हाल ही में कुछ रिपोर्टों में दावा किया गया था कि रणवीर सिंह और निर्देशक जय मेहता के बीच क्रिएटिव मतभेदों के कारण फिल्म में रुकावट आ गई है, लेकिन फिल्म से जुड़े सूत्रों ने इन खबरों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। जानकारी के अनुसार, 'प्रलय' को लेकर फैलाई जा रही अनिश्चितता वाली खबरें पूरी तरह बेबुनियाद हैं। सूत्र के अनुसार, फिल्म का प्री-प्रोडक्शन काम पहले ही शुरू हो चुका है और रणवीर सिंह व निर्देशक जय मेहता स्क्रिप्ट को अंतिम रूप देने में लगातार चर्चा कर रहे हैं।

'वाराणसी' की वजह से इस साल मेट गाला में नहीं शामिल होंगी प्रियंका चोपड़ा

प्रियंका चोपड़ा इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'वाराणसी' की शूटिंग में बिजी हैं। इस वजह से उन्होंने कई प्रोग्रामों में जाना रद्द कर दिया है। खबरें हैं कि काम के चलते वह इस साल मेट गाला में नहीं शामिल होंगी। यह बात इसलिए ज्यादा ध्यान खींच रही है क्योंकि रेड कार्पेट से उनका गहरा जुड़ाव रहा है। पिछले कुछ वर्षों में मेट गाला में प्रियंका दुनिया भर से आने वाले सबसे जाने-पहचाने चेहरों में से एक रही हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, प्रियंका चोपड़ा मेट गाला 2026 में शामिल नहीं होंगी। यह इवेंट 4 मई को न्यूयॉर्क के मेट्रोपोलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट में होने वाला है। ब्रिटिश वोग के मुताबिक जब मेट गाला का प्रोग्राम चल रहा होगा तब वह शायद अंटार्कटिका में 'वाराणसी' की शूटिंग कर रही होंगी। मई के पहले सोमवार को अभिनेत्री बिजी हो सकती हैं।

खलेगी प्रियंका की गैरमौजूदगी

पिछले कुछ वर्षों में प्रियंका चोपड़ा ने मेट गाला में कई यादगार अपीयरेंस दिए हैं। अपने शानदार ट्रेंच कोट गाउन से लेकर बोल्ड काउचर लुक्स तक, वह लगातार रेड कार्पेट पर सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाली सेलिब्रिटीज में से एक रही हैं। उनके अपीयरेंस अक्सर ग्लोबल पॉप कल्चर की बातचीत का हिस्सा बन जाते हैं। इस वजह से इस साल उनकी गैर-मौजूदगी महसूस की जाएगी।

'वाराणसी' के बारे में

आपको बता दें कि प्रियंका चोपड़ा जल्द ही एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' में नजर आने वाली हैं। वह इसकी शूटिंग में बिजी हैं। इस फिल्म में उनके साथ महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन होंगे। यह फिल्म 7 अप्रैल 2027 को रिलीज हो सकती है।

जल्द ही खाकी वर्दी में अपना 'कर्तव्य' निभाते नजर आएंगे सैफ अली खान

सैफ अली खान जल्द ही खाकी वर्दी में अपना 'कर्तव्य' निभाते नजर आएंगे। नेटफ्लिक्स की उनकी आगामी फिल्म 'कर्तव्य' की रिलीज डेट आज सामने आ गई है। टीजर के जारी होने के बाद से ही फैंस फिल्म का इंतजार कर रहे थे, अब आज मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट घोषित कर दी है।

शाहरुख खान के प्रोडक्शन हाउस रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के तले बनी पुलिस-ड्रामा फिल्म 'कर्तव्य' नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। ओटीटी प्लेटफॉर्म ने आज एक पोस्ट के जरिए फिल्म की रिलीज डेट घोषित की है। जिसके तहत 'कर्तव्य' 15 मई से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम करेगी। नेटफ्लिक्स ने फिल्म से सैफ अली खान का एक पोस्टर साझा किया। इसमें सैफ पुलिस की वर्दी में निराश नजर आ रहे हैं। उनके सामने आग जलती दिख रही है। इसके साथ ही कैप्शन में लिखा गया, 'कर्तव्य के इस चक्रव्यूह में हर फैसला एक इम्तिहान होगा।'

ऐसी है कहानी

'कर्तव्य' की कहानी एक पुलिस अधिकारी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो ऐसी दुनिया में अपना काम करने की कोशिश करता है जहां सही और गलत की कोई स्पष्ट परिभाषा नहीं है। जहां उसके सामने भावनात्मक और नैतिक दुविधाएं आती हैं, क्योंकि वह पेशेवर जिम्मेदारियों और व्यक्तिगत हितों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करता है। जैसे-जैसे खतरे बढ़ते हैं, अधिकारी खुद को अपनी सीमाओं तक धकेला हुआ पाता है और न्याय की कीमत और चुप्पी के परिणामों पर सवाल उठाने लगता है।

फिल्म का निर्देशन 'भक्षक' फेम पुलकित ने किया है। फिल्म में सैफ अली खान मुख्य भूमिका में हैं। इसके अलावा रसिका दुगल, संजय मिश्रा, जाकिर हुसैन और मनीष चौधरी सरीखे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म का निर्माण शाहरुख खान की रेड चिलीज एंटरटेनमेंट के तहक किया गया है। इसे प्रोड्यूस गौरी खान ने किया है। 'सेक्रेड गेम्स' की सफलता के बाद सैफ अली खान एक बार फिर पुलिस वाले किरदार में नजर आएंगे।

हमारा स्ट्रगल फिल्म हिट होने के बाद भी खत्म नहीं होता

एक्टर पुलकित सम्राट इस वक्त नई सीरीज 'ग्लोरी' को लेकर सुर्खियों में हैं। 'फुकरे' जैसी हिट फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहे पुलकित ने कहा कि हिट देने के बाद भी स्ट्रगल खत्म नहीं होता और इसलिए उन्हें काम मांगने में कोई शर्म नहीं आती। उन्होंने स्ट्रगल के अलावा 'ग्लोरी' में रोल और उन खामियों पर बात की, जो दूर की हैं।

'फिल्म इंडस्ट्री में स्ट्रगल के दौरान आपको लगता है कि सबसे मुश्किल काम पहला ब्रेक मिलना है, मगर मेरा यकीन मानिए उससे भी ज्यादा मुश्किल है लगातार काम मिलते रहना।' यह कहना है एक्टर पुलकित सम्राट का। फिल्म 'बिट्टू बॉस' से फिल्मी करियर शुरू करने वाले पुलकित ने अपने इस सफर में सुपरहिट 'फुकरे' फ्रेंचाइजी से लेकर 'डॉली की डोली' और 'पागलपंती' जैसी चर्चित फिल्मों से अपनी पहचान बनाई, मगर पुलकित का कहना है कि बॉलीवुड में काम पाने के लिए लगातार मेहनत करने रहनी पड़ती है।

पुलकित की नई वेब सीरीज 'ग्लोरी' सपनों और महत्वाकांक्षाओं पर आधारित है। ऐसे में, एक्टर बनने के अपने सपने को पूरा करने के लिए की गई जद्दोजहद को याद करते हुए पुलकित बताते हैं, 'इंडस्ट्री में हमारा कोई गॉडफादर नहीं था। हम आउटसाइडर थे और यहां अपनी जगह बनाना चाहते हैं, लेकिन जगह आप तभी बना पाएंगे, जब आपको कुछ काम मिलेगा। इसलिए, पहले तो वो काम मिलना जरूरी है। उस पर आपको लगता है कि सबसे मुश्किल चीज यह पहला काम मिलना ही है। आप सोचते हैं कि बस एक ब्रेक मिल जाए, लेकिन मेरा यकीन करिए कि आपको लगातार काम मिलते रहना सबसे मुश्किल चीज है और उसके लिए आपको मेहनत करते रहना पड़ेगा। आपको जाकर लोगों को खुद को बतौर प्रोडक्ट दिखाना पड़ेगा। वह बहुत जरूरी है।'

काम मांगने में कोई शर्म नहीं है

'खुशकिस्मती से आज हमारे पास इतने प्लेटफॉर्म हैं कि कोई कलाकार ये बोले कि मुझे काम नहीं मिल रहा तो मेरे हिसाब से वो काम करना ही नहीं चाहता क्योंकि आज काम करने की बहुत सारी जगहें हैं। मैंने जब शुरुआत की थी, तब ऐसा नहीं था। आज बहुत सारे मंच हैं। बस आप घर से निकलिए, लोगों से बोलिए कि मुझे काम करना है। काम मांगिए और काम मांगने में कोई शर्म नहीं है, जो पहले मुझे लगता था कि मैं दिखा तो दिया। 'फुकरे' कर ली, फिल्म सुपरहिट हो गई, अब तो कल से लाइन लग जाएगी लेकिन कोई लाइन नहीं लगती। यह सच्चाई है। आपके लिए दरवाजे बेशक खुल जाते हैं पर उस दहलीज को पार करके अंदर जाना आपका काम है और मुझे लगता है कि सेट से ज्यादा काम सेट के बाहर रहता है।'

मैं जैसा पहले था, उस पर गर्व नहीं

सीरीज में पुलकित अपने गुस्से पर काबू करने की कोशिश करते हैं। असल जिंदगी में उन्होंने अपनी किसी खामी पर जीत पाई है? यह पर उन्होंने बताया, 'मुझमें बहुत खामियां थीं। एक वक्त पर मैं अपने आप का एक ऐसा वर्जन था जिस पर मुझे आज बिल्कुल गर्व नहीं है। ऐसी बहुत सी चीजें थीं जो मुझे धीरे-धीरे समझ में आई। जब मैं घर से निकला, अकेले उड़ान भरनी शुरू की, ठोकरें खाई तब मुझे समझ आई कि जीने का ये सही तरीका नहीं है। शुरू में हमें ज्यादा समझ नहीं होती है। आप कभी मजाक में किसी को ऐसी बात बोल देते हैं जो शायद उसे बुरी लगे। आज समझ में आता है कि नहीं यार, मुझे ऐसे नहीं बोलना चाहिए था या मुझे सेट पर ऐसे बर्ताव नहीं करना चाहिए था या मैं इस सिचुएशन को बिना गुस्से के भी हैंडल कर सकता था। तब जब लोग आपको बोलते भी हैं न तो भी समझ में नहीं आता है, जब तक आपके पिछवाड़े पर लात नहीं पड़ती।'

बॉक्सिंग ने सिखाया जिंदगी का सबक

सीरीज में बॉक्सर की भूमिका के लिए की तैयारी पर वह बताते हैं, 'इसमें मेरा किरदार एक प्रोफेशनल बॉक्सर का है, तो उसके लिए बहुत ज्यादा फिजिकल ट्रेनिंग करनी पड़ी। बॉक्सिंग को समझना पड़ा और जब मैंने ट्रेनिंग शुरू की, तब मुझे समझ आया कि बॉक्सिंग केवल फिजिकल नहीं है, यह एक माइंड गेम भी है। यह एक शतरंज के खेल की तरह है जहां आप रिंग में अपने विरोधी का दिमाग पढ़ रहे हैं। उनकी बॉडी लैंग्वेज समझ रहे हैं और मैं कहूंगा कि बॉक्सिंग ने मुझे ये सिखाया कि उन्हीं नियमों को अपनी असल जिंदगी में भी कैसे उतार सकते हैं और मुश्किल परिस्थितियों में उससे कैसे निकल सकते हैं। बॉक्सिंग ने मुझे यह सिखाया कि सिर्फ फिजिकली फिट दिखना काफी नहीं है।

बोहरा समुदाय में छोटी बच्चियों की खतना पर सुपीम कोर्ट में बहस, जस्टिस हैरान

-महिला ने कहा- इस प्रथा को पॉक्सो ऐक्ट के तहत अपराध घोषित किया जाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुस्लिमों के दाऊदी बोहरा समुदाय में छोटी बच्चियों का खतना किए जाने की प्रथा पर सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को बहस हुई। इस प्रथा पर सवाल उठाते हुए एक दाऊदी बोहरा महिला ने कहा कि इसके तहत बच्चियों के जननांग के एक हिस्से को काटा जाता है। इस दौरान उन्हें बेहद पीड़ा से गुजरना होता है। यह ट्रॉमा ऐसा होता है कि उन्हें पूरी जिंदगी इससे होने वाली शारीरिक और मानसिक पीड़ा से गुजरना होता है। उन्होंने कहा कि इस खतना के दौरान हजारों नसें क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। महिला ने कहा कि इससे स्वास्थ्य को खतरा होता है और उनकी गरिमा से भी समझौता है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक महिला ने कहा कि इस प्रथा को तो पॉक्सो ऐक्ट के तहत अपराध घोषित किया जाना चाहिए। दाऊदी बोहरा समुदाय की महिला की ओर से पेश वकील ने चीफ जस्टिस की अध्यक्षता वाली बेंच से कहा कि खतना की यह प्रथा 7 साल की बच्चियों के साथ होती है। उन्होंने कहा कि जब 7 साल की बच्ची के साथ इसे अंजाम दिया जाता है तो फिर सहमति का तो सवाल ही नहीं उठता है। उन्होंने कहा कि बच्ची की सहमति की बात नहीं हो सकती और उसके परिजन सामाजिक दबाव में रहते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि यदि वे विरोध करेंगे तो

उनके सामाजिक बहिष्कार का खतरा रहता है।

वकील ने कहा कि परिजन चुप रहते हैं क्योंकि यदि उनका बहिष्कार हुआ तो फिर वे ऐसी स्थिति में आ जाते हैं, जहां उनको समाज से बॉयकॉट कर दिया जाता है। समाज के साथ उनके आर्थिक और सामाजिक रिश्ते खत्म हो जाते हैं। इस विषय को भले ही सामाजिक प्रथा कहा जा रहा है, लेकिन जिस तरह से एक बच्ची को पीड़ा झेलनी पड़ती है वह मामला संवैधानिक और आपराधिक दायरे में चला जाता है। ऐसे में इस पर उसी आलोक में विचार किया जाना चाहिए। इस मामले की सुनवाई करने वाली बेंच में चीफ जस्टिस सूर्यकांत के अलावा जस्टिस बीवी नागरत्ना, जस्टिस एमएम सुंदरेश, जस्टिस अमानुल्लाह, जस्टिस अरविंद कुमार समेत 9 जज शामिल हैं। इस मामले की सुनवाई में जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने हैरानी भी जताई कि आखिर इसके खिलाफ कोई कानून क्यों नहीं बना है। ऐसे में कोई कानून जरूर बनना चाहिए, जिससे इस पर रोक लग सके। कोर्ट ने कहा कि ऐसे मामले में कानून बनाकर रोक लगाने का अधिकार तो सरकार के पास ही है।

फ्लाइट में महुआ मोइत्रा के सामने चोर, चोर टीएमसी चोर और जय श्री राम जैसे नारे लगे

कोलकाता(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की करारी हार के बाद राज्य की राजनीतिक तपिश अब विमानों के भीतर भी महसूस हो रही है। कृष्णानगर से लोकसभा सांसद महुआ मोइत्रा ने आरोप लगाया है कि इंडिगो की एक फ्लाइट में उनके साथ बदसलूकी की गई। कृष्णानगर से लोकसभा सांसद मोइत्रा ने एक्स पर कुछ वीडियो शेयर किए, जिसमें कुछ लोगों को चोर, चोर टीएमसी चोर, तृणमूल ईर शोब चोर और जय श्री राम जैसे नारे लगाते हुए सुना जा सकता है। टीएमसी की मोइत्रा ने इस नारेबाजी को नागरिकों का गुस्सा नहीं बताया और एक परेशानी कहा, जिसने विमान में उनकी सुरक्षा का उल्लंघन किया। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के खिलाफ अपने सख्त रुख के लिए मशहूर महुआ ने इंडिगो से इन लोगों के नाम सार्वजनिक करने और उन्हें नो फ्लाई लिस्ट में डालने को कहा, साथ ही उन्होंने नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू को भी इस बारे में टैग किया। मोइत्रा ने पोस्ट में कहा यह बीजेपी की संस्कृति है। किसी को हैरानी क्यों हो रही है? मैंने इस नज़रअंदाज किया और हवाई अड्डे से अपनी बैठक में चली गई। फिर लोगों ने मुझे यह वीडियो भेजा जिसे संघी लोग वायरल कर रहे थे। तभी मैंने इस पर आवाज उठाई। टीएमसी नेता ने नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) में औपचारिक शिकायत दर्ज की है, जिसमें उन्होंने कहा कि चार-पांच युवकों ने इसतरह के नारे लगाए जो सीधे तौर पर उन्हें और उनकी पार्टी को निशाना बना रहे थे। उन्होंने कहा कि उन पर मौखिक हमला हुआ और उन्हें परेशान किया गया, और साथ ही यह भी जोड़ा कि उनके पास इस मौखिक दुर्व्यवहार से बचने का कोई रास्ता नहीं था। उन्होंने दावा किया कि इंडिगो के किसी भी अधिकारी ने बीच-बचाव नहीं किया, और उन्होंने एयरलाइन के कर्मचारियों के खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी करने की मांग की। इंडिगो ने अभी तक इन आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। उन्होंने अपनी शिकायत में कहा ये नारे और उद्घोष मेरी पार्टी (अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस), मेरी पार्टी के नेताओं और मुझ पर व्यक्तिगत रूप से निशाना साध रहे थे। एक बंद विमान के अंदर मुझ पर मौखिक हमला कर मुझे परेशान किया गया, और चूंकि मुझे विमान से उतरने की प्रक्रिया शुरू होने तक इंतज़ार करना पड़ा, इसलिए मेरे पास इस मौखिक दुर्व्यवहार से बचने का कोई रास्ता नहीं थाजो सीधे तौर पर मुझ पर किया जा रहा था।

स्वास्थ्य मंत्री बने निशांत कुमार ने कहा, पूरी ईमानदारी और निष्ठा से निभाऊंगा जिम्मेदारी

पटना (एजेंसी)। पूर्व सीएम नीतीश कुमार के बेटे और जेडीयू नेता निशांत कुमार ने शुक्रवार को बिहार के नए स्वास्थ्य मंत्री के रूप में पदभार ग्रहण किया। पद संभालने के बाद उन्होंने राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने का संकल्प लिया। इसी दौरान पत्रकारों से बातचीत में निशांत कुमार ने कहा, 'मैं पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाने का प्रयास करूंगा। बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में काम करूंगा।' इस अवसर पर जेडीयू सांसद संजय कुमार झा ने भी निशांत कुमार के राजनीति में आने और मंत्री बनने पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने बेटे को 21 वर्षों तक राजनीति से दूर रखा, लेकिन पार्टी कार्यकर्ताओं की जरूरत को देखते हुए उन्होंने राजनीति में कदम रखा। उन्होंने विश्वास जताया कि निशांत कुमार के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग में बेहतर काम होगा। बिहार सरकार में गुरुवार को हुए बड़े मंत्रिमंडल विस्तार में 32 मंत्रियों को शामिल किया गया था। यह विस्तार एनडीए सरकार बनने के बाद प्रशासनिक ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से किया गया।

ऑनलाइन दवा बिक्री के खिलाफ केमिस्टों की हड़ताल, 20 मई को महाराष्ट्र समेत देशभर में मेडिकल स्टोर रहेंगे बंद

मुंबई (एजेंसी)। आगामी 20 मई को महाराष्ट्र समेत देशभर में मेडिकल स्टोर बंद रहेंगे। दरअसल अखिल भारतीय औषध विक्रेता संगठनों द्वारा ऑनलाइन दवाओं की कथित अवैध बिक्री और बड़ी कॉर्पोरेट कंपनियों के बढ़ते दबदबे के विरोध में राष्ट्रव्यापी बंद का आह्वान किया गया है। इस हड़ताल का असर राज्य के सभी शहरों और ग्रामीण इलाकों में देखने को मिलेगा। संगठनों का कहना है कि बिना उचित जांच-पड़ताल और नियमों के इंटरनेट के माध्यम से दवाओं की बिक्री की जा रही है, जिससे न केवल छोटे मेडिकल दुकानदारों का कारोबार प्रभावित हो रहा है बल्कि मरीजों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ रही है। संगठन के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि इस मुद्दे पर केंद्र सरकार और संबंधित अधिकारियों को कई बार ज्ञापन दिए गए, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। संगठन के अध्यक्ष जगन्नाथ शिंदे ने कहा कि प्रशासन की अनदेखी के कारण मजबूर होकर दवा विक्रेताओं को आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ा है। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन दवा बिक्री पर सख्त नियम लागू करने और छोटे व्यापारियों की सुरक्षा की मांग को लेकर यह बंद किया जा रहा है। हालांकि, हड़ताल के दौरान गंभीर मरीजों को परेशानी न हो, इसके लिए जीवनरक्षक और अत्यावश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की व्यवस्था की गई है। संगठन ने लोगों से अपील की है कि वे जरूरत की दवाएं पहले से खरीदकर रखें ताकि किसी प्रकार की असुविधा न हो।

राहुल गांधी आय से अधिक संपत्ति मामला-हाई कोर्ट ने बंद कमरे में सीलबंद कराई केस फाइल

लखनऊ (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में कांग्रेस सांसद एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से जुड़े आय से अधिक संपत्ति मामले में अहम सुनवाई की। मामले की संवेदनशीलता और दस्तावेजों की प्रकृति को देखते हुए अदालत ने न केवल सुनवाई 12 मई तक टाल दी, बल्कि पूरी केस फाइल को सीलबंद कर सुरक्षित अभिरक्षा में रखने का आदेश भी दिया। साथ ही कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि अगली सुनवाई के दौरान ही सीलबंद फाइल खोली जाएगी। इस मामले को लेकर अदालत ने प्रक्रिया में विशेष सावधानी बरतते हुए इसे इन-चैंबर (बंद कमरे) में सुना, जिससे इसकी गंभीरता और बढ़ गई है। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में मामले की सुनवाई जस्टिस राजेश सिंह चौहान और जस्टिस जफीर अहमद की पीठ ने की। सुनवाई के दौरान केंद्र और राज्य सरकार से जुड़ी एजेंसियों के अधिवक्ताओं ने अदालत से कहा कि उन्हें संबंधित विभागों से लिखित निर्देश प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त समय की आवश्यकता है। इस पर अदालत ने सहमति जताते हुए अगली सुनवाई की तारीख 12 मई निर्धारित कर दी। अदालत ने स्पष्ट किया कि तब तक सभी संबंधित पक्ष आवश्यक निर्देश प्राप्त कर लें। विदित हो कि यह याचिका कर्नाटक के भाजपा कार्यकर्ता एस. विग्नेश शिशिर की ओर से दायर की गई है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि राहुल गांधी ने अज्ञात स्रोतों से बड़ी संपत्ति अर्जित की है, जिसकी विस्तृत जांच होनी चाहिए। याचिका में केंद्र सरकार के साथ-साथ सीबीआई, प्रवर्तन निदेशालय, केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड और सीरियस फ्रॉड इन्वेस्टिगेशन ऑफिस को भी पक्षकार बनाया गया है। याचिकाकर्ता ने इन सभी एजेंसियों से व्यापक जांच कराने की मांग की है। याचिकाकर्ता एस. विग्नेश शिशिर इससे पहले भी राहुल गांधी के खिलाफ कथित दोहरी नागरिकता से जुड़े मामले में याचिका दाखिल कर चुके हैं। मौजूदा याचिका में उन्होंने आय से अधिक संपत्ति का मुद्दा उठाते हुए विस्तृत जांच की मांग की है। अब इस पूरे मामले में अगली सुनवाई 12 मई को होगी। उसी दिन सीलबंद फाइल अदालत के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी और उसके बाद आगे की कानूनी प्रक्रिया पर निर्णय लिया जाएगा।

ऑनलाइन गेमिंग कंपनी गेम्सक्राफ्ट पर ईडी का बड़ा एक्शन, तीन संस्थापक गिरफ्तार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। ऑनलाइन रियल मनी गेमिंग सेक्टर से जुड़ी बड़ी कंपनी गेम्जक्राफ्ट टेक्नोलॉजीज के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ा एक्शन लिया है। मनी लॉन्ड्रिंग और कथित धोखाधड़ी के मामले में कंपनी के तीन संस्थापकों दीपक सिंह, पृथ्वीराज सिंह और विकास तनेजा को गिरफ्तार किया गया है। ईडी की यह कार्रवाई ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म्स से जुड़े कई गंभीर आरोपों के बाद सामने आई है। ईडी सूत्रों के मुताबिक, गेम्सक्राफ्ट और उससे जुड़ी अन्य संस्थाओं के खिलाफ देश के अलग-अलग हिस्सों में कई एफआईआर दर्ज थीं। इन शिकायतों में लोगों को गुमराह करने, ऑनलाइन गेमिंग के जरिए आर्थिक नुकसान पहुंचाने और अवैध तरीके से धन जुटाने जैसे आरोप लगाए गए हैं।

तमिलनाडु में राज्यपाल की भूमिका पर चिदंबरम ने उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में तमिलनाडु की नई सरकार के गठन को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। इसी बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी. चिदंबरम ने राज्यपाल की संवैधानिक भूमिका को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यदि विधानसभा चुनाव में किसी भी पार्टी या गठबंधन को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलता, तब राज्यपाल का कर्तव्य होता है कि वह सदन में सबसे बड़ी पार्टी के नेता को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करे। कांग्रेस नेता चिदंबरम ने कहा कि यह केवल राजनीतिक परंपरा ही नहीं, बल्कि संसदीय व्यवस्था का स्थापित नियम भी है। उन्होंने लिखा कि निर्वाचित विधायकों की संख्या के आधार पर सबसे बड़े दल के नेता को पहले सरकार गठन का मौका मिलना चाहिए। इसके बाद वह विधानसभा में बहुमत साबित कर सकता है। कांग्रेस नेता ने अपने बयान में सुप्रीम कोर्ट के 1994 के ऐतिहासिक फैसले का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत ने भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया में विधानसभा को ही बहुमत परीक्षण का सही मंच माना है। चिदंबरम ने उन तमिलनाडु की राजनीतिक पार्टियों की भी सराहना की, जिन्होंने इस सिद्धांत को सार्वजनिक रूप से स्पष्ट किया और उसका समर्थन किया।

दरअसल, तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में इस बार किसी भी दल को पूर्ण बहुमत हासिल नहीं हुआ है। अभिनेता-राजनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। पार्टी ने 108 सीटें जीती हैं, लेकिन सरकार बनाने के लिए उसे अभी भी करीब 10 विधायकों के समर्थन की जरूरत है।

बहुमत का आंकड़ा नहीं होने की वजह से राज्यपाल ने अभी तक विजय को सरकार गठन का न्योता नहीं दिया है। हालांकि, कांग्रेस ने टीवीके को समर्थन देने का औपचारिक ऐलान किया है। इसके बाद तमिलनाडु की राजनीति में सरकार गठन को लेकर गतिविधियां और तेज हो गई हैं।

अखिलेश को झटका, सपा के कई दिग्गज नेता सुभासपा में शामिल

लखनऊ (एजेंसी)। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) ने आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर अपना कुनबा बढ़ाने और संगठन विस्तार के अभियान को तेज कर दिया है। इसी कड़ी में गुरुवार को पार्टी को उस वक्त बड़ी मजबूती मिली, जब समाजवादी पार्टी और बुनकर मजदूर विकास समिति से जुड़े लगभग 30 महत्वपूर्ण पदाधिकारियों, ग्राम प्रधानों और सक्रिय कार्यकर्ताओं ने सुभासपा का दामन थाम लिया। पार्टी के राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता अरुण राजभर की उपस्थिति में आयोजित एक औपचारिक कार्यक्रम में इन सभी नेताओं को पार्टी की सदस्यता दिलाई गई।

पार्टी में शामिल होने वाले प्रमुख चेहरों में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव जावेद आलम का नाम सबसे ऊपर है, जिनका सुभासपा में आना विपक्षी खेमे के लिए एक बड़ा झटका माना जा रहा है। उनके साथ ही बुनकर मजदूर विकास समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष शहाबुद्दीन अंसारी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. मोहम्मद नाजिम अंसारी और युवा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ताजुद्दीन अंसारी ने भी पार्टी की विचारधारा पर भरोसा जताया। सदस्यता लेने वाले अन्य नेताओं में दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष खालिद सैफी, राष्ट्रीय सचिव अयूब अंसारी, प्रदेश प्रभारी कारी लाइक अंसारी और कई जिला अध्यक्ष शामिल हैं। ये नेता दिल्ली, गाजियाबाद, बिजनौर, शाहदरा, प्रतापगढ़, अमरोहा और लखनऊ जैसे विभिन्न क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिससे सुभासपा का प्रभाव कई जिलों में बढ़ने की उम्मीद है।

इस अवसर पर अरुण राजभर ने विपक्षी दलों, विशेषकर समाजवादी पार्टी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने सपा के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) के नारे पर तंज कसते हुए इसे केवल राजनीतिक स्वार्थ का जरिया बताया। राजभर ने कहा कि सपा का यह नारा जनता की भलाई के लिए नहीं, बल्कि उनकी अपनी राजनीतिक जरूरतों के हिसाब से बदलता रहता है। उन्होंने सीधा हमला बोलते हुए कहा कि उनके लिए पीडीए का असली अर्थ पार्टी ऑफ डिंपल एंड अखिलेश है, जो केवल परिवारवाद तक सीमित है। राजभर ने दावा किया कि जिस तरह से विभिन्न क्षेत्रों और समुदायों के नेता सुभासपा से जुड़ रहे हैं, उससे यह स्पष्ट है कि जनता और जमीन से जुड़े कार्यकर्ता अब बदलाव चाहते हैं। संगठन में हुए इस बड़े विस्तार से पार्टी कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह है और इसे आगामी चुनावी जंग के लिए सुभासपा की एक बड़ी रणनीतिक जीत के रूप में देखा जा रहा है।

अपहरण के मामलों ने बढ़ाई चिंता, देश में 10 साल में 10 लाख मामले सामने आए

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित सिविल सेवा परीक्षा कोचिंग सेंटर की निदेशक शुभ्रा रंजन का 3 मई को मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में बंदूक की नोक पर अपहरण कर लिया गया था और 1.89 करोड़ रुपए से ज्यादा की फिरौती मांगी गई थी। इस तरह के अपराध का यह अकेला मामला नहीं है। पिछले एक दशक में 10 लाख से ज्यादा अपहरण के मामले सामने आए हैं। जानकारी के मुताबिक यही नहीं, वर्ष 1953 से 2024 के बीच अपहरण और अगवा करने के 20 लाख से ज्यादा मामले दर्ज किए गए, जो भारतीय दंड संहिता के तहत दर्ज कुल मामलों का करीब 1.7 फीसदी है। कुल मामलों में से 54 फीसदी 2013 से 2024 के बीच सामने आए हैं। इस अवधि में केवल 0.7 फीसदी मामले ही फिरौती से जुड़े हैं। वर्ष 1953-62 के दशक के बाद से अपहरण के मामलों में लगातार वृद्धि हुई है। आईपीसी मामलों में इनकी हिस्सेदारी 1973-82 के दशक से बढ़ रही है। आंकड़ों के मुताबिक अपहरण के मामलों में फिरौती बड़ी वजह नहीं रही है। सबसे अधिक मामले लोगों को जबरन उठाने यानी अपहरण से जुड़े हैं, जो कुल मामलों के आधे से भी ज्यादा हैं। इसके बाद शादी के लिए महिलाओं के अपहरण के मामले आते हैं, जबकि फिरौती के लिए अपहरण या अगवा करने के मामलों की हिस्सेदारी इनमें बहुत कम है। अपहरण के मामलों में शीर्ष छह राज्यों में से बिहार 2024 में सबसे नीचे रहा। पिछले कुछ सालों में यह राज्य महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश के बाद तीसरे नंबर पर रहा है।

राघव चड्ढा की देशवासियों से अपील, एकजुट रहे... भारत आतंकवाद, क्रूरता और बर्बर मानसिकता के खिलाफ लड़ाई लड़ रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में शुक्रवार को राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने पाकिस्तान और आतंकवाद को लेकर कड़ा बयान दिया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जारी अपने वीडियो संदेश में उन्होंने देशवासियों से एकजुट रहने की अपील की और भारतीय सेना के साहस तथा पराक्रम की जमकर सराहना की।

'जय हिंद साथियों' से अपने संदेश की शुरुआत कर बीजेपी नेता चड्ढा ने कहा कि पड़ोसी बदले नहीं जा सकते, लेकिन अगर पड़ोसी पाकिस्तान जैसा हो, तब सही रास्ते पर लाने के लिए कठोर कदम उठाना जरूरी होता है। उन्होंने कहा कि भारत इस समय सिर्फ पाकिस्तान से नहीं, बल्कि आतंकवाद, क्रूरता और बर्बर मानसिकता के खिलाफ लड़ाई लड़ रहा है।

बीजेपी नेता चड्ढा ने कहा कि सेना इस बार आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई कर रहे हैं

और आतंक की जड़ों को खत्म करने का संकल्प लिया गया है। उन्होंने सीमा पर तैनात जवानों और उनके परिवारों के प्रति समर्थन जताकर कहा कि पूरे देश को उनके साथ ÷चट्टान की तरह÷ खड़ा रहना चाहिए।

उन्होंने हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र कर कहा कि निहत्थे नागरिकों की हत्या मानवता पर एक बड़ा कलंक है। इस घटना ने पूरे देश को हिला दिया है। चड्ढा ने दावा किया कि भारत ने इसका जवाब 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए देना शुरू कर दिया है और भारतीय वायुसेना तथा मिसाइल सिस्टम पाकिस्तान पर लगातार दबाव बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत का एयर डिफेंस सिस्टम दुश्मन की मिसाइलों और ड्रोन को प्रभावी ढंग से नष्ट कर रहा है।

अपने बयान में उन्होंने देश में हुए कई बड़े आतंकी हमलों का उल्लेख किया, जिनमें 2008 मुंबई आंतकी, पुलवामा अटैक, उरी अटैक, भारतीय संसद हमला और 1993 बॉम्बे बम विस्फोट शामिल हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना इन हमलों के जिम्मेदार आतंकियों और उनकी सोच को जड़ से खत्म करने के लिए पूरी ताकत से जुटी हुई है।

शशि थरूर अपनी पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा के लिए दिल्ली हाईकोर्ट पहुंचे

-कोर्ट से अपील- डीपफेक वीडियो और एआई-मॉर्फ्ड कंटेंट को तुरंत हटाए जाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अपने पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा के लिए दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया है। थरूर ने आरोप लगाया है कि उनकी सहमति के बिना उनके नाम, छवि और व्यक्तित्व का बेजा इस्तेमाल किया जा रहा है। इस मामले की सुनवाई शुक्रवार को जस्टिस मिनी पुष्कर्णा की पीठ करेगी।

कांग्रेस नेता ने अपनी याचिका में कई आरोपियों के खिलाफ कोर्ट से राहत मांगी है। इसमें कई अज्ञात लोग भी शामिल हैं। थरूर ने कोर्ट से अपील की है कि इंटरनेट और अन्य प्लेटफॉर्म से कई डीपफेक वीडियो और एआई-मॉर्फ्ड कंटेंट को तुरंत हटाया जाए। बता दें थरूर की ओर से यह याचिका लॉ फर्म ट्राईलीगल के पार्टनर और वकील निखिल नरेंद्रन के जरिए दायर की गई है। थरूर अब उन अभिनेताओं, क्रिकेटरों और अन्य मशहूर हस्तियों की लंबी सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने पिछले कुछ सालों में अपने पब्लिक और पर्सनैलिटी राइट्स की रक्षा के लिए हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। इससे पहले बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन और अनिल कपूर भी कोर्ट से इसी तरह का इंजंक्शन हासिल कर चुके हैं। कोर्ट ने विज्ञापनों, मर्चेंडाइज और एआई-जनरेटेड कंटेंट में इन सितारों के नाम, आवाज, तस्वीर और हुबहू पहचान के बिना इजाजत इस्तेमाल पर सख्त पाबंदी लगाई थी। अब शशि थरूर ने भी अपने अधिकारों को महफूज रखने और अपने नाम-पहचान के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए यही कानूनी रास्ता अपनाया है। केरल के तिरुवनंतपुरम से लोकसभा सांसद शशि थरूर पूर्व राजनयिक और प्रसिद्ध लेखक भी हैं। राजनीति में कदम रखने से पहले, उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में करीब तीन दशकों तक अपनी सेवाएं दीं और अंडर-सेक्रेटरी-जनरल के प्रतिष्ठित पद तक पहुंचे। भारत सरकार में वे विदेश मंत्रालय और मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री का कार्यभार भी संभाल चुके हैं।

बंगाल में राइटर्स बिल्डिंग से चलेगी नई सरकार! 1777 में बनी थी यह इमारत

-इस पर अंतिम फैसला नए सीएम ही लेंगे, नबान्न नहीं होगा ठिकाना

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के साथ ही सरकार के कामकाज का केंद्र भी बदलने वाला है। निवर्तमान सीएम ममता बनर्जी के 15 साल के कार्यकाल में 13 साल तक सत्ता का केंद्र रहा नबान्न अब नई सरकार का ठिकाना नहीं होगा। राज्य में चुनाव जीतने के बाद बीजेपी राज्य सचिवालय को हावड़ा से वापस कोलकाता स्थित ऐतिहासिक राइटर्स बिल्डिंग में शिफ्ट करने की योजना बना रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बुधवार को बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने नबान्न में कार्यवाहक मुख्य सचिव दुष्यंत नारियाला से मुलाकात की। समिक ने उन्हें सूचित किया है कि नए सीएम के शपथ लेने के बाद सचिवालय को शिफ्ट कर दिया जाएगा। बीजेपी के मुताबिक नए मुख्यमंत्री के शनिवार सुबह ब्रिगेड परेड ग्राउंड में शपथ लेने की उम्मीद है। इसके बाद नए नेता मध्य कोलकाता स्थित राइटर्स बिल्डिंग से अपना कार्यभार संभालेंगे। हालांकि, बीजेपी ने अभी तक अपने सीएम चेहरे का ऐलान नहीं किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी हमेशा से इसके ऐतिहासिक और प्रतीकात्मक महत्व को देखते हुए सचिवालय को वापस राइटर्स बिल्डिंग में ले जाने की इच्छुक रही है। इस कदम का समर्थन करते हुए समिक भट्टाचार्य ने कहा कि हम 2021 से ही कह रहे हैं कि हम राइटर्स बिल्डिंग से सरकार चलाएंगे। मैंने इस साल चुनाव प्रचार के दौरान भी यह घोषणा की थी। हालांकि, इस पर अंतिम फैसला नए सीएम ही लेंगे। 250 से ज्यादा सालों तक राइटर्स बिल्डिंग सत्ता का केंद्र रही है। पहले ईस्ट इंडिया कंपनी, फिर ब्रिटिश इंडिया और आजादी के बाद पश्चिम बंगाल सरकार ने अक्टूबर 2013 तक यहीं से कामकाज किया।

रिपोर्ट के मुताबिक 2011 में पहली बार शपथ लेने के बाद ममता बनर्जी ने भी राइटर्स बिल्डिंग से ही कार्यभार संभाला था, लेकिन बाद में उन्होंने अपना सचिवालय अस्थायी तौर पर गंगा पार हावड़ा के शरत चटर्जी स्ट्रीट स्थित नबान्न में शिफ्ट कर लिया था। ममता सरकार ने तब पुरानी इमारत में आग और आपदा से जुड़ी चिंताओं का हवाला देते हुए इसके जीर्णोद्धार के लिए करीब 200 करोड़ रुपए आवंटित किए थे। ममता ने तब इसे बारूद का ढेर बताते हुए कहा था कि सुरक्षा के लिहाज से अस्थायी जगह तलाशी जा रही है। हालांकि, इमारत का काम पूरा न होने के कारण सरकार की वहां कभी वापसी नहीं हो सकी।

नवीनीकरण के तहत लोक निर्माण विभाग ने इमारत की मूल ई संरचना के बीच बने दो एनेक्सी भवनों को ध्वस्त कर दिया था, लेकिन इसके बाद काम धीमा पड़ गया। राइटर्स बिल्डिंग में मूल रूप से करीब 3 लाख वर्ग फुट का कार्यक्षेत्र था, जो तोड़े जाने के बाद घटकर 2.5 लाख वर्ग फुट रह गया। हालांकि यह जगह सीएमओ समेत कम से कम 8-10 विभागों के लिए पर्याप्त है। पीडब्ल्यूडी अधिकारियों का कहना है कि अगर नई सरकार तुरंत वापस लौटना चाहती है, तो उसके लिए केवल ब्लॉक 1 और 2 ही उपलब्ध कराए जा सकते हैं। नया सीएमओ दूसरी मंजिल पर काम कर सकता है, जहां जीर्णोद्धार का काम पूरा हो चुका है। मूलरूप से सीएमओ पहली मंजिल पर था, जिसकी मरम्मत में अभी 6 महीने और लग सकते हैं। इस बीच, कोलकाता पुलिस कमिश्नर अजय नंद ने सुरक्षा व्यवस्था और

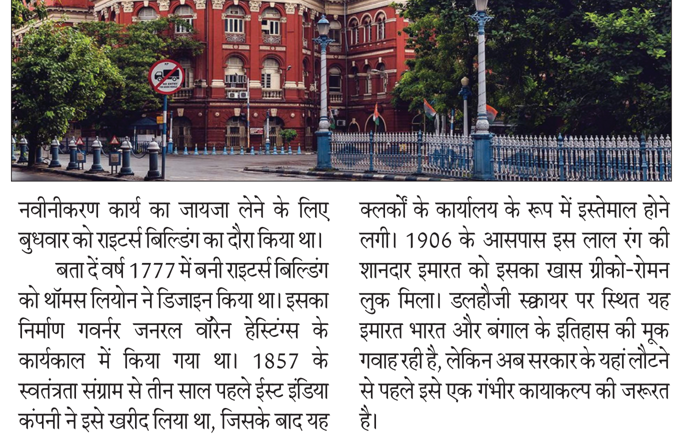

नवीनीकरण कार्य का जायजा लेने के लिए बुधवार को राइटर्स बिल्डिंग का दौरा किया था।

बता दें वर्ष 1777 में बनी राइटर्स बिल्डिंग को थॉमस लियोन ने डिजाइन किया था। इसका निर्माण गवर्नर जनरल वॉरेन हेस्टिंग्स के कार्यकाल में किया गया था। 1857 के स्वतंत्रता संग्राम से तीन साल पहले ईस्ट इंडिया कंपनी ने इसे खरीद लिया था, जिसके बाद यह क्लर्कों के कार्यालय के रूप में इस्तेमाल होने लगी। 1906 के आसपास इस लाल रंग की शानदार इमारत को इसका खास ग्रीको-रोमन लुक मिला। डलहौजी स्क्वायर पर स्थित यह इमारत भारत और बंगाल के इतिहास की मूक गवाह रही है, लेकिन अब सरकार के यहां लौटने से पहले इसे एक गंभीर कायाकल्प की जरूरत है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com